संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -39 मंगलवार 10 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी ने एलआईसी की बीमा सखी योजना को किया लॉन्च

पानीपत,09 दिसंबर 2024 (ए)। पीएम मोदी आज हरियाणा के पानीपत दौरे पर हैं। यहां उन्होंने एलआईसी की बीमा सखी योजना' की शुरुआत की। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन की सरकार दोगुनी रफ्तार से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन और भी वजहों से विशेष है। पीएम मोदी ने कहा कि अभी यहां (पानीपत) देश की बहनों-बेटियों को रोजगार देने वाली बीमा सखी योजना का शुभारंभ किया गया है। मैं देश की सभी बहनों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

संजय मल्होत्रा होंगे आरबीआई के नए गवर्नर

शक्तिकांत दास की लेंगे जगह

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को अपना नया गवर्नर मिलने जा रहा है। राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी संजय मल्होत्रा इस पद पर नियुक्त होंगे। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। वह मौजूदा गवर्नर शक्तिकांत दास की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 10 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। पदभार ग्रहण करने के बाद मल्होत्रा रिजर्व बैंक के 26वें गवर्नर होंगे।

राज्यसभा के उपचुनाव के लिए भाजपा ने की प्रत्याशियों के नाम की घोषणा

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने तीन प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने नोटिफिकेशन जारी किया गया है। भाजपा ने हरियाणा, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। पार्टी ने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा को हरियाणा से राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। रेखा शर्मा करीब 9 साल तक राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं।

आरक्षण पर सुप्रीमकोर्ट का बड़ा बयान

» धार्मिक आधार पर रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता...

» पश्चिम बंगाल ओबीसी आरक्षण मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई...

» कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी है चुनौती...

हाईकोर्ट के आदेश को एससी में बंगाल सरकार ने दी चुनौती

पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस निर्णय को चुनौती दी गई है, जिसने 2010 के बाद से पश्चिम बंगाल में कई जातियों को ओबीसी का दर्जा देने को अवैध घोषित किया था। 22 मई, 2024 के फैसले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा था कि 77 मुस्लिम समुदायों को ओबीसी वर्ग में शामिल करना धर्म को आधार बनाकर किया गया था, जो अवैध है। इसके साथ ही, 2012 के पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग अधिनियम के तहत दिए गए 37 समुदायों के आरक्षण को भी रद्द कर दिया।

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि धर्म के आधार पर रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता है। पश्चिम बंगाल सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच ने ये मौखिक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर रिजर्वेशन नहीं दिया जा सकता है। कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को पश्चिम बंगाल सरकार ने चुनौती दी थी, जिसमें 77 समुदायों (ज्यादातर मुस्लिम) के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत क्लासिफिकेशन को रद्द कर दिया गया था।

सिब्बल रख रहे बंगाल सरकार का पक्ष

सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से कपिल सिब्बल पेश हुए। सिब्बल ने कहा कि रिजर्वेशन धर्म के आधार पर नहीं दिया गया है, बल्कि समुदायों की पिछड़ेपन की स्थिति के आधार पर दिया गया है। सिब्बल ने बताया कि हाईकोर्ट ने धारा 12 जैसे प्रावधान को रद्द कर दिया, जो राज्य सरकार को जातियों की पहचान करने और वर्गीकरण का अधिकार देता है। उन्होंने यह भी कहा कि हाईकोर्ट का आदेश हजारों छात्रों और नौकरी चाहने वालों के अधिकारों को प्रभावित कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में क्या बोले कपिल सिब्बल

कपिल सिब्बल ने इस फैसले पर अस्थायी रोक लगाने की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार का पक्ष रखा और कहा कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि पिछड़ेपन के आधार पर दिया गया था। सिब्बल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक आबादी 27-28 फीसदी है। रंगनाथ आयोग ने मुसलमानों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की सिफारिश की थी। हिंदू समुदाय के लिए 66 समुदायों को पिछड़ा वर्ग घोषित किया गया था।

धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं हो सकताःजस्टिस गवई

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस गवई ने दोहराया कि आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं हो सकता। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को पिछड़ेपन के मात्रात्मक आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, ताकि यह साबित हो सके कि ओबीसी सूची में शामिल नई जातियां सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त में पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया था कि वह ओबीसी सूची में शामिल जातियों की सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन की स्थिति और सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में उनके अपर्याप्त प्रतिनिधित्व का डेटा प्रस्तुत करे। राज्य सरकार को यह भी बताने को कहा गया कि 37 जातियों को ओबीसी सूची में शामिल करने से पहले पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग से परामर्श किया गया था या नहीं।

क्या है पूरा मामला

सिब्बल ने कहा कि इसके बाद मुस्लिम समुदाय के लिए पिछड़े वर्गों की पहचान की गई, जिनमें से कई समुदाय पहले से ही केंद्रीय सूची या मंडल आयोग में शामिल थे। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2012 के अधिनियम के तहत 77 मुस्लिम समुदायों को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया। मामला जब कोलकाता हाई कोर्ट में गया तो उच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के पहले के फैसले का हवाला दिया और मुसलमानों के लिए दिया गया आरक्षण रद्द कर दिया था।

सिब्बल बोले- आरक्षण रद्द करना अनुचित

सिब्बल ने बताया कि यह आरक्षण कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है और इसे रद्द करना अनुचित है। वहीं राज्य सरकार की दलील के खिलाफ अपनी दलील में एडवोकेट पीएस पाटवालिया ने कहा कि आरक्षण बिना किसी सर्वेक्षण या डेटा के दिया गया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री के बयान के तुरंत बाद 77 समुदायों को बिना पिछड़ा वर्ग आयोग की सलाह लिए आरक्षण दिया गया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में वह 7 जनवरी को विस्तार से सुनवाई करेगा।

इसके साथ ही हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर) सर्विस और पदों में रिक्तियों का आरक्षण अधिनियम, 2012 के कई प्रावधानों को भी रद्द कर दिया। अदालत ने कहा था कि आरक्षण की प्रक्रिया में सर्वेक्षण या डेटा एकत्र करने में भी कमी थी। राज्य सरकार की ओर से कोलकाता हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए कपिल सिब्बल ने दलील दी कि आरक्षण पिछड़ेपन के आधार पर दिया गया था, जो कि अदालत की ओर से पूर्व में स्वीकार किया गया है।

दिल्ली चुनाव के लिए मनीष सिसोदिया की सीट बदली

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने सोमवार (9 दिसंबर) को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। दूसरी लिस्ट में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ आप नेता मनीष सिसोदिया की विधानसभा सीट बदली गई है। इस बार पटपड़गंज विधानसभा सीट से कोचिंग के कारोबार से जुड़े प्रसिद्ध शिक्षक अवध ओझा को टिकट मिला है।

वहीं, मनीष सिसोदिया जंगपुरा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। सिसोदिया पटपड़गंज से तीन बार विधायक रह चुके हैं।

मुस्तफाबाद से हाजी यूनुस का टिकट कटा

मुस्तफाबाद सीट से इस बार आदिल खान को टिकट दिया गया है। आदिल एक न्यूज एजेंसी में रिपोर्टर रह चुके है। पत्रकारिता छोड़कर आम आदमी पार्टी में आए थे। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख गोपाल राय के बहुत करीबी हैं। इस वक्त आदिल आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता भी हैं। वह आजादपुर मंडी के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

आप ने दूसरी लिस्ट में इन पर लगाया दांव

त्रिलोकपुरी विधानसभा से रोहित महरोलिया का टिकट कटा। पूर्व पार्षद अंजना को टिकट दिया गया। उम्मीदवारों की लिस्ट में शाहदरा सीट पर भाजपा से आए जितेंद्र सिंह शंटी, तिमारपुर से भाजपा से आए सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू का नाम शामिल।

दिल्ली के 40 स्कूलों को एक साथ फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। दिल्ली में एक बार फिर 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस धमकी के बाद स्कूल पहुंचे बच्चों को वापस घर भेज दिया गया है। सावधानी के तौर पर फायर ब्रिगेड और सुरक्षा विभाग की टीमें स्कूलों में जांच कर रही है। सोमवार की सुबह 7 बजे आरके पुरम के डीपीएस, पश्चिम विहार के जीडी गोयनका स्कूल, मदर मैरी स्कूल समेत 40 स्कूल मैनेजमेंट को बम की धमकी भरा ईमेल आया है।

ये मामला सामने आते ही सबसे पहले बच्चों को घर भेजा गया और पुलिस को जानकारी दी गई। फायर डिपार्टमेंट और दिल्ली पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

इस मामले को लेकर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलना शुरू कर दिया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोशल मीडिया के जरिए केंद्र पर निशाना साधते हुए लिखा, दिल्ली में रोजमर्रा होने वाली फिरौती, हत्याओं, गोलीबारी की घटनाओं के बाद अब स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियाँ मिल रही है। दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की ऐसी बदहाल हालत पहले कभी नहीं रही। भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली वालों को सुरक्षा देने के अपने इकलौते काम में फेल हो चुकी है।

शंभू बॉर्डर खोलने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। शंभू बॉर्डर पर जारी किसान आंदोलन के मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला पहले से उसके संज्ञान में है और इसी पर सुनवाई चल रही है। नई याचिका पर सुनवाई करना अभी उपयुक्त नहीं होगा।

जनहित याचिका में शंभू बॉर्डर और अन्य प्रभावित राष्ट्रीय राजमार्गों को खोलने के लिए केंद्र, पंजाब और हरियाणा सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में दावा किया गया है कि हाईवे बाधित करना आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है और नेशनल हाइवे एक्ट के तहत एक अपराध भी। याचिका में प्रदर्शनकारियों पर कानूनी कार्रवाई की अपील की गई है।

देसी बम बनाने के दौरान धमाका,3 की मौत

मुर्शिदाबाद,09 दिसंबर 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में रविवार रात को बड़ा हादसा हुआ। यहां अवैध तरीके से देसी बन बना रहे लोगों के घर में जोरदार धमाका हो गया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो

गई।स्थानीय मीडिया के मुताबिक, हादसा सागरपाड़ा थाना क्षेत्र के खैरतला इलाके में हुआ। यहां मामून मुल्ला नाम के व्यक्ति के घर पर बम बनाने का काम चल रहा था।मृतकों में मामून, साकिरुल सरकार और मुस्तकिन शेख शामिल हैं। शेख महताब कॉलोनी में रहता है।बताया जा रहा है कि धमाका इतना जोरदार था कि मामून के घर की छत उड़ गई और पूरा घर ढह गया। इस दौरान तीनों के चीथड़े उड़ गए।हादसे के बाद मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। धमाके से इलाके में दहशत है। धमाका कैसे हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर राज्यसभा में जबरदस्त बवाल

सोनिया गांधी के साथ कनेक्शन पर चर्चा की मांग

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी कांग्रेस के सदस्यों के बीच सोमवार को राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ। एनडीए ने कांग्रेस पर

विदेशी संगठनों के जरिए देश की सरकार और अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का आरोप लगाया। बीजेपी ने आरोप लगाया कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का संबंध एक ऐसे संगठन से है, जिसे अमेरिकी बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन की ओर से वित्तपोषित किया जाता है, जिसने कश्मीर को भारत से अलग करने के विचार का समर्थन किया है। इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए बीजेपी के नेताओं ने जोरदार नारेबाजी की, जिसकी वजह से राज्यसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दोपहर 3ः00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

हंगामे के बीच, बीजेपी के नेता जेपी नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता विदेशी संगठनों और जॉर्ज सोरोस जैसे उद्योगपतियों के साथ मिलकर देश की सुरक्षा और स्थिरता को खतरे में डाल रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसेफिक जैसे संगठन जम्मू-कश्मीर को अलग सत्ता के रूप में देखते हैं और इसका वित्तीय सहयोग राजीव गांधी ट्रस्ट से जुड़ा है। इसके बाद विपक्षी नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने जेपी नड्डा के आरोपों को पूरी तरह से असत्य करार देते हुए पलटवार किया और कहा कि सत्ताधारी दल के लोग खुद गद्दारी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी का यह हंगामा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की नीतियों को छिपाने और मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए किया जा रहा है।

कोहरे की वजह से लेट हुई ट्रेन तो अब मिलेगा मुफ्त खाना

नई दिल्ली,09 दिसंबर 2024 (ए)। इन दिनों देशभर में सर्दी के मौसम के साथ-साथ घना कोहरा और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी देखने को मिल रही है। इसकी वजह से रेल यातायात रेल यातायात बाधित होना । देशभर में इन प्राकृतिक परिस्थितियों की वजह से कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या का समाधान निकालते हुए भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए एक नई और खास सुविधा शुरू की है।

क्या है रेलवे की नई सेवा

इसके तहत अगर ट्रेन 2 घंटे या उससे ज्यादा देर से चलती है, तो यात्रियों को मुफ्त में खाना और पानी प्रदान किया जाएगा। यह सुविधा ढ्ढक्रष्टस्ञ्ज द्वारा दी जा रही है और यह प्रीमियम ट्रेनों जैसे शताब्दी, राजधानी, और दुरंतो एक्सप्रेस में उपलब्ध है।

आईआरसीटीसी की कैटरिंग पॉलिसी

रेल यात्रा के दौरान देरी की स्थिति में भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए कैटरिंग पॉलिसी के तहत एक विशेष सुविधा शुरू की है। सर्दियों में कोहरे और बर्फबारी के कारण ट्रेनों की देरी होना सामान्य बात है। यदि कोई ट्रेन अपने निर्धारित समय से 2 घंटे या उससे ज्यादा देरी से चलती है, तो

यात्रियों को मुफ्त भोजन और पानी दिया जाएगा। यह सेवा यात्रियों की परेशानियों को कम करने के लिए शुरू की गई है और खासतौर पर प्रीमियम ट्रेनों के यात्रियों के लिए है।

क्या मिलेगा खाने में?

रेलवे द्वारा मुफ्त में दिया जाने वाला भोजन खासतौर पर लंच, डिनर और नाश्ते के समय यात्रियों को प्रदान किया जाता है। इसमें सबसे पहले चाय या कॉफी दी जाती है, साथ ही चीनी और दूध क्रीमर का पैकेट भी दिया जाता है। इसके बाद, नाश्ते में चार स्लाइस ब्रेड, बटर, 200 मिली फ्रूट ड्रिंक और एक कप चाय या कॉफी दी जाती है। दूसरी तरफ, डिनर या लंच के समय में मुख्य भोजन दिया जाता है, जिसमें यात्रियों को अपनी पसंद का मील चुनने का विकल्प भी मिलता है। इस प्रकार, रेल यात्रियों के लिए यह एक राहत देने वाली सेवा बन गई है, जो उनकी यात्रा को सुविधाजनक और आरामदायक बनाने में मदद करती है।

कैंसिलेशन और रिफंड की सुविधा

मुफ्त भोजन के अलावा भारतीय रेलवे ने यात्रियों के लिए कई और सुविधाएं भी सुनिश्चित की हैं। अगर ट्रेन 3 घंटे या उससे ज्यादा समय के लिए लेट हो जाती है या रूट बदलता है, तो यात्री अपना टिकट कैंसिल करके पूरी राशि का रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। जो यात्री ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं, वे अपनी टिकट को ढ्ढक्रष्टस्ञ्ज की वेबसाइट पर जाकर कैंसिल कर सकते हैं, जबकि काउंटर से टिकट बुक करने वाले यात्री काउंटर पर जाकर रिफंड ले सकते हैं।

संपादकीय

तेजी से बढ़ी महंगाई

महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढने से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं।बाजार की एजेंसियां जब मध्य वर्ग के ह्रास की बातें करने लगें, तो समझा जा सकता है कि आर्थिक संकट कितना गहरा हो चुका है। मध्य वर्ग किसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। यही तबका है, जिसके उपभोग की आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही होती हैं। मध्य वर्ग का आकार बढ़ रहा हो, तो अर्थव्यवस्था में मांग, निवेश, उत्पादन और वितरण का चक्र स्वाभाविक रूप से तेज होता जाता है। यह आर्थिक विकास का वास्तविक पैमाना है। मगर भारत में कहानी पलट चुकी है। सबसे पहले इससे छोटी कारों आदि जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां प्रभावित नजर आई।फिर रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की उत्पादक कंपनियों के अधिकारी कहते सुने गए कि भारत में जो मध्य वर्ग होता था, वह सिकुड़ रहा है, जिससे कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। फिर वित्तीय अखबारों में इसकी पड़ताल करते हुए लंबी रिपोर्टें छपने लगीं कि आखिर मध्य वर्ग को हुआ क्या है। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का उल्लेख कर बताया गया कि सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में घरेलू बचत का अनुपात 50 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।कारण अनसिक्योर्ड ऋण की मात्रा का बढना है, जिसे चुकाने की जद्दोजहद में बचत के लिए कुछ बचता ही नहीं है। अब मार्केट एजेंसियां इस पर रिपोर्ट जारी कर रही हैं। ताजा रिपोर्ट मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स की आई है।उसके मुताबिक पहले रूटीन नौकरियां मध्य वर्ग का आधार थीं, लेकिन ऑटोमेशन एवं नई तकनीक के उपयोग के कारण ये तेजी से खत्म हो रही हैं। मार्सेलस ने दूसरी वजह घरों का बजट बिगडना बताया है। स्पष्टत- इसकी वजह तेजी से बढ़ी महंगाई के कारण परिवारों की घटी वास्तविक आय है। एक अन्य रिपोर्ट में जिक्र है कि महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढने से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं। यही तबका मुख्य उपभोक्ता वर्ग रहा है। उसके बिगड़े का नतीजा है कि पूरी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था दुष्चक्र फंसती नजर आ रही है।

आजादी के दशकों बाद भी देश की सड़कों के हाल बेहाल

जब भी कभी हम विदेशों की सड़कें और राजमार्गों पर फर्राटे से दौड़तीं गाडियों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सड़कों के हाल बेहाल है।राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षो में सड़कों व राजमार्गो के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता।राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं।दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में मृत्यु हुई थी तो सड़क नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सड़क का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं?क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सड़क सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सड़क दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सड़क नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सड़क व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी।वे जागरूक होंगे और नियम तोडने से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सड़क और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सड़कों पर और राजमागरे पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगज़ाहरि है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईंधन भी कम खर्च होता है।सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाडियों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है। ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढ़कर एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

-रजनीश कपूर-

मानवाधिकार दिवस पर आज विशेष

मानवता के लिए सार्थक बने मानवाधिकार दिवस

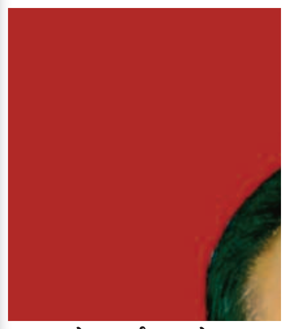

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 10 दिसम्बर 1948 को विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। वर्ष 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 73 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2024 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 76वीं वर्षगांठ है। 2024 में मानवाधिकार दिवस की थीम असमानताओं को कम करना और मानव अधिकारों को आगे बढ़ाना है।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। राजनेता मानव अधिकार की बात तो जोरशोर से करते हैं। मगर जब अधिकार देने की बारी आती है तो पीछे खिसकने लगते हैं। राज नेताओं को पता है कि यदि लोगों को उनके अधिकार मिल गये तो तो उनकी नेतागिरी बन्द हो जायेगी। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिये बनाये गये कानून महज कागजो में सिमट कर रह जाते हैं।

मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता।

भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 14,15,16,17,19,20,21,23,24,39,43,45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं।

देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा, तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है, जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है।

इतिहास गवाह है की भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है। मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोडने वाले को अदालत सजा भी देती है।

पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीडन पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया। लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान है या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कभी जात के नाम पर तो कभी धर्म के नाम पर, कभी लिंग भेदभाव के जरिए तो कभी रंग भेद नीति को अपनाकर लोगों के इन अधिकारों को कुचला जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है। दुनिया में तमाम जगह लोगों ने अपन हक की लड़ाई में लाखों कुर्बानियां दी हैं और आज भी बहुत से लोग अपने अधिकारों की जंग लड़ रहे हैं।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए कानून बनाये गए और उनको लागू करने या करवाने के लिए प्रयास भी हो रहे हैं। लेकिन वह सिर्फ कागजी दस्तावेज बन कर रह गए हैं। समाज में मानवाधिकारों के होने वाले उल्लंघन के प्रति अगर मानव ही जागरूक नहीं है तो फिर इनका औचित्य क्या है? देखे तो पता चलेगा की कितने मानवाधिकारों का हनन मानव के द्वारा ही किया जा रहा है। मानव के द्वारा मानव के दर्द को पहचानने और महसूस करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं होती है। अगर हमारे मन में मानवता है ही नहीं तो फिर हम साल में पचासों दिन ये मानवाधिकार का झंडा उठा कर घूमते रहें कुछ भी नहीं किया जा सकता है।

सरकार भी मानवाधिकारो का हनन रोक पाने में पूर्णतया सफल नहीं हो पा रही है। देश में आये दिन मानवाधिकार हनन की घटनायें घटित होती रहती है। मगर सरकारी स्तर पर शख्त कार्यवाही अमल में नहीं लायी जाती है। जिससे भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृति पर रोक लग सके। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि तमाम प्रादेशिक, राष्ट्रीय और अन्तरर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय सरकारी और गैर सरकारी मानवाधिकार संगठनों के बावजूद मानवाधिकारों का लगातार हनन होता रहता है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अति भक्ति चोरी का लक्षण

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

परमात्मा की भक्ति का मतलब है परमात्मा का सिमरन, चिंतन, मनन आदि में इतना लीन हो जाना कि व्यक्ति को दुनिया की सुध ही ना रहे। धर्म ,अर्थ ,काम... यह तीनों मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग है इनके बिना जीवन असंभव तो नहीं, कठिन जरूर है। हम सब जानते हैं कि हम सब यहां परमात्मा की मर्जी से आए हैं, जब चाहेगा वापिसे बुला लेगा। यह दुनिया हमारे लिए एक धर्मशाला है। अब यहां हम रह रहे हैं, कल कोई और रहता था और कल कोई और रहेगा। वापिस जाते-जाते इस धर्मशाला को गंदा नहीं बल्कि सुंदर बनाकर जाना चाहिए ताकि यहां आने वाला नया मुसाफिर यही सोचे कि पहले वाला आदमी कितना अच्छा था। इसी बात को लेकर हमें धर्म की जरूरत पड़ती है जो कि हमें सद् मार्ग पर चलाता है, पाप और पुण्य में फर्क बताता है, संस्कार सिखाता है, लोक परलोक सुधारने का मार्गदर्शन करता है। पहले जमाने में साधु, संत ,तपस्वी, ऋषि मुनि लोग संसार के माया मोह से परे हटकर जंगलों में, गुफाओं में, पर्वतों में जाकर प्रभु का सिमरन करते थे। काम, क्रोध ,लोभ, मोह, अहंकार आदि पर नियंत्रण करते थे। धर्म हमें आध्यात्मिकता की तरफ ले जाता है। संतोष, संयम, तृप्ति, स्व नियंत्रण का पाठ पढ़ाता है। धर्म हमें त्याग करने, माता-पिता की सेवा करने, स्त्रियों, बच्चों, कमजोर लोगों पर दया करना सिखाता है। गुरुजनों का आदर करना सिखाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर हम धर्म से जुड़े महापुरुषों का गुणगान करते हैं, उनका अनुकरण करते हैं, उनके उदाहरण देते हैं।

लेकिन आजकल धर्म से संबंधित यह बातें देखने को नहीं मिलती। सच्चे अर्थों में धर्म देखने को नहीं मिलता। धर्म के नाम पर दिखावा, पाखंड, ढोंग आदि बातें देखने को मिलती हैं। आम चीजों में मिलावट की तरह धर्म में भी आजकल मिलावट हो गई है। पता ही नहीं चलता कि सच में धर्म का पालन कौन कर रहा है और धर्म के नाम पर दिखावा और पाखंड करके दूसरों को बेवकूफ कौन बना रहा है। ईश्वर, अल्लाह, वाहेगुरु, ईसा मसीह आदि के नाम पर अलग-अलग पथ चले हुए हैं। सभी अपने आप को धर्म का ठेकेदार समझते हैं और दूसरों को गलत समझते हैं। धर्म से संबंधित अधिकांश लोगों का व्यवहार बगुले जैसा है जो मौका मिलते ही अपने शिकार को नहीं छोड़ता। बहुत सारे धर्माचार्य चालाकी से चमत्कार दिखाकर असाध्य बीमारियों का इलाज कर रहे हैं, लोगों को धर्म के रंग में रंग कर उनसे पैसे लूट रहे हैं, इन धर्माचार्यों के पास रहने के लिए वातानुकूलित महलनुमा निवास हैं, गाड़ियां हैं, हवाई जहाज में सफर करते हैं, प्रवचन करने के लाखों रुपए लेते हैं। अपने भक्तों को माया से दूर रहने का उपदेश देते हैं जबकि खुद इस माया की दलदल में फंसे हुए हैं। बहुत सारे तथाकथित संत महंत, महात्मा, बाबे राजनेताओं से जुड़े हुए हैं। अपने भक्तों को अमुक पार्टी को वोट देने के लिए कहते हैं, काले धन को सफेद करने में भी लगे रहते हैं। कुछ तथाकथित संत लोग कामवासना के शिकार होकर दोषी साबित होने पर जेलों की रौनक बढ़ा रहे हैं। आजकल जिसे देखो तीर्थ यात्रा करने जा रहा है, जगराते करवा रहा है, भंडारे करवा रहा है। सभी अपने आप को धर्म से जुड़ा हुआ दिखलाना चाहते हैं जबकि उनके मन में खोट भरा हुआ है। ऐसे लोगों ने गेरूए वस्त्र जरूर धारण कर रखे हैं लेकिन उनमें त्याग, संयम, परमात्मा के प्रति समर्पण भावना, सच्चाई, संतोष, तृप्ति, ईश्वर में अटूट विश्वास, धार्मिक ग्रंथो का ज्ञान तथा उन पर अमल करना आदि बातें देखने को नहीं मिलती। आजकल धर्म एक व्यापार बना हुआ है। जिसे धर्म का मतलब ही पता नहीं वह भी अपने आप को,,,, शास्त्रों में ऐसा लिखा है,,, कहकर धार्मिक होने का पाखंड करता है। अति भक्ति चोरी का लक्षण,,, वाली बात आम देखने को मिलती है। यह लोग धर्म के नाम पर भाईचारा, प्रेम, गुरुजनों तथा बुजुर्गों की सेवा करना, महिलाओं तथा बच्चियों की अस्मत की रक्षा करना, सच बोलना, ईमानदारी से कमाकर खाना, परिवार में सुख शांति बना कर रखना, क्षमा करना, अपनी आमदनी का कुछ भाग जरूरतमंदों पर खर्च करना आदि बातें नहीं सिखाते। क्या तिलक लगाने, गले में माला डालने, तालियां बजाकर भजन कीर्तन करने से भगवान मिल जाएगा अगर मन में छल,कपट,ईर्ष्या, अहंकार, क्रोध, दोगलापन, पाखंड और दिखावा छुपा हुआ है। धर्म के नाम पर आजकल दंगे फसाद होते हैं जबकि उर्दू के प्रसिद्ध शायर, मोहम्मद इकबाल ने कहां है,,, मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना,,,,के बावजूद भी धर्म के नाम पर हिंसा, हत्या, लूटमार, आगज़नी आदि की घटनाएं होती रहती हैं। यह सब तो धर्म नहीं है। जिसे देखो सनातन धर्म की बात करता है। बहुत अच्छा है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

हिन्दुओं को इग्नोर करने वाले नेताओं को बदलनी होगी अपनी सोच

संजय सक्सेना,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्ध सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को जलाया व मारा जा रहा है। उनकी संपत्तियां लूटी जा रही हैं। माताओं व बहनों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। मंजर ऐसा है कि किसी की भी रूह कांप जाये। बांग्लादेश में जो हो रहा है उसके सामने यूपी के संभल में जो कुछ हुआ कोई मायने नहीं रखता है। हाल में बहराइच में हुई हिंसा भी बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के सामने काफी छोटी नजर आती है। क्योंकि संभल हो या बहराइच की हिंसा दोनों ही को विपक्ष कुछ ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर हंगामा खड़ा कर रखा है। संभल और बहराइच पर जितना बवाल गांधी परिवार और अखिलेश यादव मचा रहे हैं उतनी ही चुप्पी वह बांग्लादेश में हिन्दुओं और दलितों के साथ हो रहे खून खराबे को लेकर साधे हुए हैं। अखिलेश के पीडीए में पिछड़ा-दलित और अल्पसंख्यकों की बात जरूर की जाती है,लेकिन हकीकीत यही है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव मुस्लिम वोट बैंक के आगे किसी को तरजीह नहीं देते हैं। अखिलेश दलितों और पिछड़ों की बात सिर्फ इस वर्ग के वोटरों को गुमराह करने के लिये करते हैं। इसी तरह से दलितों और पिछड़ों को इंसाफ दिलाने के लिये कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और उनकी टीम जातिगत जनगणना कराये जाने के लिये हाय-तौबा तो करती है, लेकिन उनका भी इससे कोई लेनादेना नहीं है। उनको भी सिर्फ मुस्लिम वोट बैंक नजर आता है।

दरअसल, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों ही मुस्लिम वोट बैंक पर कब्जेदारी के चक्कर में एक-दूसरे के साथ-साथ(इंडिया गठबंधन में शामिल दोनों दल) होते हुए भी सियासी दुश्मन बनते जा रहे हैं। मुस्लिम वोट बैंक की खातिर यूपी में राहुल गांधी सपा प्रमुख की कंधे पर चढ़कर उनकी पीठ में 'छूरा' भोंकने की कोशिश कर रहे हैं तो अखिलेश यादव जिन्होंने भी नेताजी मुलायम सिंह के बाद मुस्लिम वोटरों को अपने जाल में फांस रखा है वह मुस्लिम वोटरों पर अपनी पकड़ कतई ढीली करने को तैयार नहीं है। इसी के चलते यूपी में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की राह जुदा होती जा रही है। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव की बात हो या फिर हाल में सम्पन्न नौ विधान सभा सीटों की,दोनों ही बार अखिलेश ने कांग्रेस के साथ होते हुए भी उससे दूरी बनाये रखी। लोकसभा चुनाव में तो अखिलेश ने गठबंधन का धर्म निभाते हुए कुछ सीटें कांग्रेस के लिये छोड़ भी दी थीं,लेकिन उप चुनाव में तो कांग्रेस को एक भी सीट नहीं दी।

आलम यह है कि जब संभल में हुई हिंसा के बाद राहुल गांधी ने वहां जाने का कार्यक्रम बनाया तो समाजवादी पार्टी के महासचिव और अखिलेश के चचा रामगोपाल यादव इसे राहुल की नौटंकी करार दे दिया। इसको लेकर कांग्रेस और सपा के नेताओं के बीच एक-दूसरे के खिलाफ खूब बयानबाजी हुई,लेकिन रामगोपाल यादव की बात सच थी। इस बात का अहसास जल्द हो भी गया। ऐसा इसलिये था क्योंकि राहुल गांधी और उनकी नई-नई सांसद बहन प्रियंका वाड्रा को जब लोकसभा में संभल के पीड़ितों की आवाज उठाने का मौका मिला तो इन दोनों (राहुल-प्रियंका) के साथ-साथ पूरी कांग्रेस अडानी-अडानी करती रह गई। कांग्रेस के इन दिग्गज नेताओं ने एक भी शब्द संभल हिंसा को लेकर नहीं बोला।

बांग्लादेश में हिन्दुओं और खासकर दलितों के खून खराबे को लेकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं की चुप्पी न तो बीजेपी को रास आई न ही बसपा सुप्रीमो मायावती को यह बर्दाश्त हुआ। योगी बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है उससे कुछ ज्यादा ही दुखी हैं। वह राहुल और अखिलेश जैसे नेताओं का नाम लिये बिना सवाल करते हैं ÷आज कुछ लोग समाज को धोखा दे रहे हैं। वे ही लोग समाज में झूठ फैला रहे हैं। हैदराबाद के निजाम और उनके रजाकारों की ओर से जब दलितों के गांव जलाए जा रहे थे तब भी वे चुप थें उस दौरान उनका शोषण हो रहा था। तब भी बाबा अंबेडकर ने खुला पत्र लिखा था कि निजाम की रियासत के सभी दलित रियासत को छोड़कर महाराष्ट चले जाएं, लेकिन अपना धर्म और मत न बदलें। पड़ोसी मुल्कों में अल्पसंख्यक हिंदुओं की घटती आबादी पर सीएम योगी ने कहा कि साल 1947 में पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं की बड़ी तादाद में आबादी रहती थी। बांग्लादेश में साल 1971 तक 22 फीसदी हिंदू रहा करते थे, लेकिन आज उनकी संख्या 6 से 8 फीसदी ही रह गई है। योगी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा, ÷जो लोग हमेशा दलितों को अपना वोट बैंक बना कर उनका शोषण करते आए हैं, वे आज बांग्लादेश की घटना पर मौन हैं. उनके मुंह से एक भी शब्द नहीं निकल रहा। वे सच को स्वीकार नहीं कर सकते और न ही सच बोल सकते हैं। सिर्फ संविधान की प्रति दिखाकर ढोंग कर रहे हैं। उन्हें बाबा साहेब के मूल्यों से कोई लेना-देना ही नहीं है।

ऐसे ही आरोप बसपा सुप्रीमो मायावती भी लगा रही हैं। उन्होंने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की घटनाओं को लेकर विपक्षी दलों को घेरा और पूछा कि मुख्य विपक्ष दल होने के बाद भी कांग्रेस और सपा इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं ? ये दोनों दल सिर्फ मुस्लिम वोटरों को साधने के लिए सिर्फ संभल हिंसा की बात कर मुस्लिम समाज को लड़वा रही हैं। मायावती ने मांग की कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश के दलितों को भारत लाना चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि संसद चल रही है और विपक्षी दल देश और यहां के जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल में हुई हिंसा की आड़ में खासकर सपा और कांग्रेस पार्टी मुस्लिम वोट को रिझाने में लगी हुई हैं। इन्हें बाकी मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल मुस्लिम समाज को भी तुर्क और नॉन तुर्क को आपस में लड़ा रही है, जिससे मुस्लिम समाज को भी सतर्क रहना है।

कविता
तू जरा हंस मुस्कुरा कर चल

घटती-घटना

श्याम सुंदर साहू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

तू जरा हँस मुस्कुराकर चल
कुछ करना है तो डटकर चल
भीड़ में से तू निकल कर चल
हर समस्या का निकलेगा हल
तू जरा हँस मुस्कुराकर चल।।
अर्जुन जैसा तू निशाना रख
मन मे कोई बहाना मत रख
मिलेगा तुझे मेहनत का फल
तू जरा हँस मुस्कुराकर चल।।
किस बात का है तुझको गम
आगे आगे बढ़ा अपना कदम
मंजिल मिलेगा आज या कल
तू जरा हँस मुस्कुराकर चल।।
आज भले तुझे हारना पड़ा
तेरी जीत पक्की होगी कल
अपनी हार को भूलाकर चल
तू जरा हँस मुस्कुराकर चल।।
राहों पर हजार मुश्किलें आए
उन मुश्किलों से लड़ता चल
प्रगति के पथ पर बढ़ता चल
तू जरा हँस मुस्कुराकर चल।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

536 करोड़ से अधिक के 1614 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन,सरगुजा के विकास को मिलेगी गतिःमुख्यमंत्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को 536.14 करोड़ के 1614 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया जिसमें 157.02 करोड़ की राशि के 180 कार्यों का लोकार्पण एवं 379.12 करोड़ की राशि के 1434 कार्यों का भूमि पूजन शामिल रहा। अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री अरुण साव शामिल हुए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर मां महामाया को नमन करते हुए जिलेवासियों को विकास कार्यों की बधाई देते हुए कहा कि आज जिले में 536 करोड़ रुपए से अधिक के 1614 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन हुआ है, जो निश्चित रूप से सरगुजा के विकास को गति देगा। आज 157 करोड़ रुपए के 180 कार्यों के लोकार्पण एवं 379 करोड़ 12 लाख रुपए की राशि के 1434 कार्यों का भूमिपूजन किया गया। अंबिकापुर छत्तीसगढ़ ही नहीं देश के सबसे सुंदर और साफ सुथरे शहरों में भी शामिल है। यह सब नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारियों, हमारे सफाई मित्रों और स्वच्छता दीदियों के योगदान से हो पाया है। हमने वायदे के मुताबिक पीएससी परीक्षा में पारदर्शिता लौटाई। भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार पर सरकार का फोकस है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल को रायपुर के डीकेएस की दर्ज पर मल्टीअस्पेशलिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज, अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, प्रतापपुर विधायक शकुंतला पोर्ते, सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, पूर्व सांसद कमलभान सिंह मरावी, सरगुजा संभागायुक्त जीआर चुरेन्द्र, आईजी अंकित गर्ग, कलेक्टर विलास भोस्कर, एसपी श्री योगेश पटेल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

घोषणा

1. 23.90 करोड़ की राशि नगर निगम अंबिकापुर के विभिन्न वार्डों को अधोसंरचनात्मक कार्यों हेतु देने घोषणा...
2. सुपर स्पेशियल्टी हॉस्पिटल अंबिकापुर को डीकेएस रायपुर की तर्ज पर विकसित करने की घोषणा...
3. विश्विद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम अब शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज करने की घोषणा...

हितग्राहियों के खिले चेहरे,शासकीय योजनाओं का भी मिला लाभ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विभागीय स्टालों का अवलोकन किया और विभागों द्वारा तैयार शासकीय योजनाओं के जीवंत मॉडल की सराहना की। इस दौरान उन्होंने हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्री वितरण भी किया। बता दें कि उद्यान विभाग के द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनांतर्गत 10 हितग्राहियों को पावर स्प्रेयर वितरण, पशुधन विकास विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना उन्नत मादा वत्स पालन वितरण योजना एवं सुकरत्रयी इकाई वितरण, कृषि विभाग द्वारा 554 हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड एवं कृषि उपकरणों का वितरण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 250 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं उपकरणों का वितरण, खाद्य विभाग द्वारा 150 हितग्राहियों को राशन कार्ड एवं अन्य, नगर निगम द्वारा 19 हितग्राहियों को विविध सामग्रियां का वितरण, महिला बाल विकास विभाग द्वारा 560 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री अन्नकोष एवं छत्तीसगढ़ महिला कोष एवं अन्य द्वारा लाभान्वित किया गया। इसी प्रकार श्रम विभाग द्वारा 451 हितग्राहियों को श्रम कार्ड एवं अन्य सामग्री, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा 13 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्रक, जिला पंचायत द्वारा 1761 हितग्राहियों को मनरेगा जॉबकार्ड एनआरएलएम, राजस्व विभाग द्वारा 20 हितग्राहियों को जाति निवास आय बी1 एवं किसान किताब का वितरण किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों आइस बॉक्स प्रदाय कर लाभान्वित किया गया।

सुरक्षा घेरा पार कर महिला सीएम से मिली

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जब मंच पर पहुंचे तो दर्शक दिर्घा में मौजूद एक महिला सुरक्षा बैरिकेट पार कर सीएम से मिलने की कोशिश की। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की पर पुलिसकर्मियों से झुमाझटकी करनी लगी। महिला सुरक्षाकर्मियों पर चिल्लाने लगी। राज्यगीत समाप्त होने पर सीएम ने महिला को अपने पास बुलाया और समस्याएं सुनी। महिला कैंसर से पीड़ित है और ओड़िशा की रहने वाली है। वह सर्कस में काम करती थी। अस्वस्थ्य होने पर उसे काम से निकाल दिया गया और वह अंबिकापुर में ही फुटपाथ पर अपने एक बेटे के साथ रहती है।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले हुए सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया जिसमें उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एवं वरिष्ठ कल्याण अधिकारी केंद्रीय जेल अम्बिकापुर से स्वयं सेवक बानी मुखर्जी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुखरी की मितानीन परिमनिया यादव, महिला एवं बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रमिला तिर्की एवं पुरो बाई, नगर निगम अम्बिकापुर से स्वच्छता दीदी सुनीता सारखेली, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी लुण्ड्रा के मंडल संयोजक रघुनाथ प्रसाद, शिक्षा विभाग से व्याख्याता लीना थॉमस शामिल रहे।मुख्यमंत्री जिला प्रवास कार्यक्रम में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

जिस मिल को वन विभाग ने किया था सील उसी के बगल में गोदाम में मिले लाखों के बेसकीमती लकड़ी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अवैध लकड़ी के मामले में वन विभाग की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी है। रविवार को शहर के गंगापुर स्थित मेसर्स रामप्रसाद आरा मिल से 5 नग साल लठ्ठा लोड पिकअप वाहन जब्त किया था। वहीं आरा मिल को सील कर दिया गया था। वहीं दूसरे दिन विभाग को जानकारी मिली की आरा मिल के बगल में स्थित एक मकान में काफी संख्या में इमारती लकड़ी रखा हुआ है। सूचना पर टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की है। मकान में लाखों रुपए के साल चिरान जब्त किया गया है। फिलहाल विभाग मामले की जांच कर रही है कि आखिर यह लकड़ी किसीकी है।

वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली कि अंबिकापुर के गंगापुर स्थित मेसर्स रामप्रसाद आरा मिल के बगल में स्थित एक गोदाम के अंदर अवैध लकड़ी का भंडारण किया गया है। लाखों रुपए की बेस कीमती लकड़ी की सूचना पर तत्काल डीएफओ सहित वन अमला मौके पर पहुंचा और गोदाम की जांच की गई। गोदाम में रखे सैकड़ों नग साल चिरान को जब्त किया है। जिसकी जांच की जा रही है। हालांकि वन विभाग को अभी यह पता नहीं चल सका है कि गोदाम किसका है और गोदाम में लकड़ी किसने रखी है। वहीं रविवार को इसी स्थान के पास लकड़ी मिल से वन विभाग की टीम ने अवैध लकड़ी के साथ एक पिकअप को जब्त किया था। मामले में वन विभाग ने आरा मिल को सील कर दिया है।

2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाना है लक्ष्य

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारणी की हुई बैठक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मेरे अगामी चार साल के राजनैतिक जीवन का लक्ष्य 2028 के विधानसभा चुनाव में छत्तीसगढ में कांग्रेस की सरकार को पुन- स्थापित करने का है। सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी कार्यकारणी की एक विशेष बैठक सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कार्यकर्ताओं के समक्ष अपना यह संदेश दिया। संगठनात्मक गतिविधियों, नगरीय एवं पंचायत चुनाव एवं संविधान रक्षक अभियान के एजेंडे को लेकर यह बैठक रखी गई थी। इस बैठक में कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं छत्तीसगढ प्रदेश की सहप्रभारी जरीता लैतफलांग मौजूद थीं, जिन्होंने बैठक के दौरान मौजूद कार्यकर्ताओं से एजेंडे को लेकर विस्तार से चर्चा की। जरीता लैतफलांग यह दौरा अपने प्रभार क्षेत्र में मौजूद सभी विधानसभाओं की संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर है। इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित हुई थी। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता किसी भी चुनाव को लडने् और जीतने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि हम संगठन को इस प्रकार से तैयार कर रहे हैं कि अगामी विधानसभा चुनाव में पुन- वहीं जीत दोहराएंगे जो कि 2018 में हासिल किया था। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि चुनाव जीतने के बाद भाजपा सरकार गांव-गांव में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ दुर्भावना से कार्रवाई कर रही है। इसका मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कार्यकर्ताओं को अगामी नगरीय और पंचायत चुनाव को जीतने के लिए कमर कस लेना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार, मुख्यमंत्री और विधायक हमारे द्वारा कांग्रेस सरकार द्वारा बनाए गए प्रतिमानों और कार्यक्रमों की घोषणा कर और फीता काटकर उसका श्रेय ले रहे हैं। हम उन्हें अपने कार्यों का श्रेय नहीं लेने देंगे। आज मौजूदा सरकार जो भी फीता कट रही है वो या तो हमारे द्वारा किए जा रहे कार्य थे या हमारे कार्यक्रम थे। मौजूदा सरकार आज 1 साल बीतने के बावजूद अपना मौलिक कार्यक्रम और योजना नहीं ला पाई है। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान साल भर पहले मोदी की गारंटी में हरेक किसान को धान खरीदी पर 31 सौ रुपए प्रतिक्विंटल की दर से एकमुश्त भुगतान की बात कही गई थी लेकिन 1 साल में डबल इंजन की सरकार इस गारंटी से पीछे हट गई है। प्रदेश की सरकार किसानों को मात्र 23 सौ रुपए क्विंटल की दर से धान खरीदी का भुगतान कर रही है जो कि सरासर धोखा है। कार्यक्र के दौरान पूर्व विधायक डॉ. प्रितम राम, औषधीय पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, महापौर डॉ. अजय तिर्की, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, निगम सभापति एवं बीस सूत्रिय कार्यक्रम सिमिति के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद, पीसीसी उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव, पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने किया जबकि आभार प्रदर्शन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा द्वारा किया गया।

CMYK

ढाका पहुंचते ही विदेश सचिव मिसरी कासख्त

संदेश-पहले हिंदुओं की सुरक्षा तय करे बांग्लादेश सरकार

ढाका,09 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर बढ़ते हमलों के बीच भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ढाका में एक उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान यह मुद्दा सख्ती से उठाया। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को स्पष्ट संदेश दिया कि हिंदुओं और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह दौरा प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से हटने के बाद दोनों देशों के बीच उत्पन्न तनाव को कम करने और हिंदुओं पर हो रहे हमलों के प्रति भारत की चिंताओं को व्यक्त करने के लिए आयोजित किया गया है। विक्रम मिसरी ने अपने समकक्ष मोहम्मद जशीमुद्दीन के साथ यह बात साझा की कि भारत सकारात्मक और रचनात्मक संबंधों की उम्मीद करता है। उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

ढाका पहुंचने के बाद, विक्रम मिसरी ने कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने विदेश सलाहकार मोहम्मद जशीमुद्दीन के अलावा कार्यवाहक विदेश मंत्री मोहम्मद तौहीद हुसैन और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के साथ भी भेंट। इन बैठकों में दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि अगस्त 2024 में बड़े पैमाने पर सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़ना पड़ा था। उनके हटने के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार की कमान प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने संभाली। इस दौरान हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले तेज हो गए। मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हिंसा की घटनाएं बढ़ीं। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी ने भारत में गहरी चिंता पैदा की। मिसरी ने बांग्लादेश को साफ कर दिया कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ÷हम बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और साझा हितों पर आधारित संबंध चाहते हैं। लेकिन इसके लिए वहां अल्पसंख्यकों की सुरक्षा अनिवार्य है।÷ भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध सुधारने के लिए इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लेकिन यह स्पष्ट है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके धार्मिक स्थलों की रक्षा के बिना भारत अपनी चिंताओं को नजरअंदाज नहीं करेगा।

शेख हसीना ने यूनुस सरकार पर लगाए कई गंभीर आरोप

कहा-आतंकियों को क्षमादान दे रही है सरकार

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर से अपने देश की अंतरिम सरकार पर तीखा हमला बोला। शेख हसीना ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बिना रोक-टोक के काम करने की अनुमति देने वाला फासीवादी प्रशासन चलाने का आरोप लगाया।

शेख हसीना ने रविवार को लंदन में 'अवामी लीग' के समर्थकों की एक सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि, जुलाई-अगस्त में हुई उस उथल-पुथल का मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद यूनुस हैं। जिसने उनकी सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया। उन्होंने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न के लिए यूनुस और उनकी अंतरिम सरकार की आलोचना की।

उन्होंने कहा, मोहम्मद यूनुस और उनके सहयोगी जुलाई-अगस्त में देश में हुई अशांति के मुख्य साजिशकर्ता हैं। छात्रों एवं पुलिसकर्मियों की हत्या, आगजनी और अत्याचारों के पीछे उनका हाथ है। हमारे देश को नुकसान पहुंचाने वाले हत्यारों और षड्यंत्रकारियों को बांग्लादेशी कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाएगा। जिस तरह हमने युद्ध अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की थी, आज के अपराधियों के खिलाफ भी उसी तरह न्याय होगा। कानून से कोई भी बच नहीं पाएगा।

हसीना ने कहा, पांच अगस्त के बाद से देश में अल्पसंख्यकों, हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्ध धर्म के अनुयायियों के पूजा स्थलों पर हमले बढ़ गए हैं। हम इसकी निंदा करते हैं। नए शासन में जमात और आतंकवादियों को खुली छूट मिल गई है। हसीना का यह बयान ऐसे समय आया है। जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ढाका दौरे पर हैं।

शेख हसीना ने फोन के जरिए 37 मिनट के अपने डिजिटल संबोधन में कहा, बांग्लादेश अब एक फासीवादी शासन की चपेट में है, जहां लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों को खत्म कर दिया गया है। गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास, लोकतंत्र को मजबूत करने में हमारी सरकार की उपलब्धियां यूनुस के नेतृत्व में पानी फेरा जा रहा है। हसीना ने हाल ही में देश में हुई आगजनी और हत्याओं के लिए यूनुस सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

यूनुस पर भ्रष्टाचार के आरोप

हसीना ने दावा किया कि भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने यूनुस और उनके संगठन ग्रामीण बैंक से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को नजरअंदाज किया है। उन्होंने कहा, वे मेरी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं, लेकिन सबूत देने में विफल रहते हैं। इस बीच, एसीसी द्वारा यूनुस की गतिविधियों पर कोई नियंत्रण नहीं है। उन्होंने अंतरिम सरकार को उनके खिलाफ आरोपों को साबित करने की चुनौती दी।

हसीना ने आरोप लगाया कि अगस्त से अब तक अवामी लीग के एक हजार से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या की जा चुकी है, उनके घरों को लूटा गया है और उनके कारोबार को नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी के सदस्यों को व्यवस्थित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।

फासीवादी अल्पसंख्यकों को बना रहे हैं निशाना

बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रमुख प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह एक रैली के लिए चटगांव जा रहे थे। उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया और जेल भेज दिया गया। उनकी गिरफ्तारी ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

हसीना ने कहा, हमारे देश के इतिहास का यह काला अध्याय हमेशा के लिए नहीं रहेगा। मोहम्मद यूनुस को उसके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा और न्याय की जीत होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों को क्रूर हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है। उन्होंने जवाबदेही और न्याय की मांग करते हुए कहा, इस फासीवादी शासन के तहत निर्दोष लोगों को पीट-पीटकर मार डाला गया है। कानून का शासन पूरी तरह खत्म हो चुका है।

आतंकियों को क्षमादान दे रही है अंतरिम सरकार

इसके अलावा हसीना ने यूनुस सरकार पर आतंकवादियों और अपराधियों को क्षमादान देने का भी आरोप लगाया। हसीना ने कहा, बांग्लादेश की संसद पर हमलों और अन्य अत्याचारों के लिए जिम्मेदार लोगों सहित दोषी ठहराए गए अपराधियों और आतंकवादियों की रिहाई इस सरकार की मिलीभगत को साबित करती है। हसीना ने वर्तमान सरकार द्वारा न्यायिक और प्रशासनिक दमन पर आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा, चिन्मय कृष्ण दास के वकील को उनके मामले की पैरवी करने से रोक दिया गया जो कानूनी अधिकारों का घोर उल्लंघन है। यह सरकार असहमति को दबाने और न्याय से वंचित करने के लिए हर हथकंडा अपना रही है।

गाजा शहर में इजरायली ड्रोन हमले में 10 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, 9 दिसंबर 2024। मध्य गाजा सिटी में एक इजरायली ड्रोन हमले में कम से कम 10 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस ने दी।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसाल ने बताया कि मारे गए लोगों में महिला और बच्चे भी शामिल थे। इजरायली सेना ने इस घटना पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रविवार को इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उनकी सेना ने हाल ही में उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया क्षेत्र में भूमिगत आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए एक विशेष अभियान पूरा किया। इसी बीच, हमास के सशस्त्र संगठन अल-क़सम ब्रिगेड्स ने कहा कि उनके सदस्यों ने शनिवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र में एक इजरायली बख्तरबंद वाहन और एक टैंक को नष्ट कर दिया। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा दक्षिणी इजरायल में किए गए हमले में लगभग 1,200 लोगों की मौत और करीब 250 लोगों के बंधक बनाए जाने के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया है।

अमेरिका में श्वेत महिला ने बस में भारतवंशी परिवार को कहे अपशब्द

अश्लील इशारे किए और कहा-'आप भारत से आपका...'

न्यूयॉर्क, 09 दिसम्बर 2024। अमेरिका में एक महिला द्वार भारतवंशी परिवार पर नस्ली टिप्पणी और गंदे इशारे कर अपमान का मामला सामने आया है। भारतीय मूल का अमेरिकी परिवार उस महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने पर विचार कर रहा है जिसने एयरलाइन शटल बस में उन पर नस्ली टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा कि उनकी पीढ़ी उनके माता-पिता की पीढ़ी से भिन्न है और वे सिर झुकाकर चुप नहीं बैठेंगे। यह घटना नवंबर में यूनाइटेड एयरलाइंस के शटल में तब घटी थी, जब 50 वर्षीय फोटोग्राफर परवेज तौफीक अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ मैक्सिको से लॉस एंजिलिस जा रहे थे। तौफीक ने परिवार के साथ हुई घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया मंच पर साझा किया है। इसमें महिला उन्हें नस्लीय गाली देती हुई, अपशब्दों का इस्तेमाल करती हुई और अपमानजनक इशारे करती हुई दिखाई दे रही है।

महिला कहती है, ''आपका परिवार भारत से है, आपका कोई मान-सम्मान नहीं है। आपके पास कोई नियम नहीं है।%% पेशे से फोटोग्राफर तौफीक ने रविवार को दिए गए एक साक्षात्कार में उस दिन को याद किया जब बस में एक व्यक्ति को छोड़कर कोई अन्य परिवार के समर्थन में नहीं आया। उन्होंने कहा, ''यह बहुत दुखद था कि कोई भी नहीं था।%% उन्होंने कहा, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर और उसके बाहर भी उन्हें और उनके परिवार को समर्थन मिल रहा है जिसके वे आभारी हैं। तौफीक ने कहा, ''निश्चित रूप से, कुछ लोग होंगे जो नफरत फैलाना चाहते हैं, जो विभाजन फैलाना चाहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि वास्तव में उनकी संख्या बहुत कम है और हम उनसे ज्यादा हैं।

उन्होंने कहा, ''हमारी सोच यह है कि हमें उक्त महिला को अदालत में जवाबदेह ठहराना चाहिए। दुर्भाग्य से, यूनाइटेड फ्लाइट हमारी किसी भी तरह से मदद नहीं कर पायी।%% तौफीक ने कहा कि महिला की ओर से कोई जवाबदेही या आत्मचिंतन की भावना नहीं दिखी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा% से कहा, ''हम मुकदमा दर्ज कराने जा रहे हैं। हम इसे आगे बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। हमारे पास कानूनी लोग हैं जिनसे हमने सलाह ली है और हमें बताया गया है कि यह एक समझदारी भरा कदम होगा और इसे यूं ही खत्म नहीं होने देना चाहिए।%% तौफीक ने कहा, ''हमारी पीढ़ी मेरे माता-पिता की पीढ़ी से बहुत अलग है। मुझे लगता है कि मेरे माता-पिता के समय में, जब ऐसी चीजें होती थी तो वे अपना सिर झुका लेते थे, चुप रहते थे। मुझे लगता है कि वह समय खत्म हो गया है। यह हमारी पीढ़ी पर निर्भर करता है कि वह वास्तव में सुनिश्चित करे कि यह ऐसी चीज नहीं है जिसे आप बिना किसी परिणाम के कर सकते हैं।

इटली में ईंधन डिपो में विस्फोट से 2 लोगों की मौत,नौ घायल

टस्कन,09 दिसम्बर 2024। मध्य इटली के टस्कन में सोमवार को एक ईंधन डिपो में विस्फोट हो जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। इटली की ENI तेल कंपनी ने बताया कि फ्लोरेंस के निकट कैलेन्जानो स्थित डिपो में हुए विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है। कंपनी ने कहा कि आग 'लोडिंग क्षेत्र तक ही सीमित रही और आसपास के टैंकों तक नहीं फैली। दमकलकर्मी आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। धुएं के कारण क्षेत्रीय रेल सेवा बाधित हो गई है और इलाके के लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह दी गई है।

सड़क हादसे में पिता की मौत,पुत्र व एक अन्य गंभीर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अजिरमा के पास रविवार को दो बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में पिता, पुत्र व एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार संजय पिता सनवारी राम कंवर उम्र 29 वर्ष अंबिकापुर से लगे ग्राम हसुली का रहने वाला था। वह रविवार की शाम को अपने बेटा गद्दी पैकरा व एक अन्य के साथ धान मिसाई कर ग्राम उदारी वापस घर जा रहा था। तभी अजिरमा के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान संजय को मौत हो गई।

हाइड्रा की टक्कर से घायल युवक की मौत,दूसरा गंभीर

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

परसा व बासेन के बीच स्थित शिकारी रोड पर रविवार की रात को जेसीबी खराब होने पर दो युवक सडक़ किनारे बना रहे थे। तभी पीछे से सोल्ड हाइड्रा वाहन ने दोनों को टक्कर मार दिया। इससे दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार दिनेश साहू पिता गोकुल साहू 24 वर्ष सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सलका का रहने वाला था। वह अनमोल इंफलाटेक्चर कंपनी में काम करता था। रविवार की रात को दिनेश व मुजबुल रहमान अलग-अलग जेसीबी लेकर सुपरवाइजर किसान यादव के साथ ग्राम बासेन से परसा जा रहा था। रास्ते में परसा व बासेन के बीच स्थित शिकारी रोड पर एक जेसीबी खराब हो गया। दिनेश व मुजबुल सडक़ किनारे जेसीबी बना रहे थे। तभी बिना नंबर का हाइड्रा वाहन दोनों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हाइड्रा वाहन की टक्कर से घायल दिनेश व मुजबुल रहमान को इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने दोनों की स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान देर रात दिनेश की मौत हो गई। जबकि मुजबुल रहमान का इलाज चल रहा है।

युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता अब 11 दिसम्बर को

- संवाददाता -
अंबिकापुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि युवाओं और महिलाओं में खेल के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 का आयोजन जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में 10 दिसम्बर 2024 को प्रस्तावित था। यह आयोजन अपरिहार्य कारणों से 11 दिसम्बर 2024 को प्रातः 08:30 बजे से शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परिसर मे किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि समस्त विकासखण्ड के चयनित सभी महिला खिलाडियों एवं युवा उत्सव में केवल प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दल एवं एकल वर्ग के प्रतिभागी निर्धारित तिथि एवं स्थल पर उपस्थित होंगे।

अचीवमेंट कॉन्वेंट स्कूल प्रतापपुर एवं भैसमुदा के बच्चों ने दरिमा एयरपोर्ट का किया भ्रमण

- संवाददाता -
प्रतापपुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

एजुकेशन टूर के तहत श्री सोहम रामानंद दे एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित अचीवमेंट कान्वेंट स्कूल प्रतापपुर एवं भैसा मुड़ा के बच्चों ने मां महामाया एयरपोर्ट दरिमा का भ्रमण किया।

एवं वहां पहुंचकर बच्चों ने तरह-तरह के मशीन देखें एवं वहां के व्यवस्थाओं के बारे में जाना, दरिमा एयरपोर्ट के डायरेक्टर सर के मार्गदर्शन में श्री चंद्रकांत प्रधान जी के द्वारा बच्चों को एयरपोर्ट के बारे में वृतांत से बताया गया बच्चों को एयरपोर्ट की सेफ्टी सामान की चेकिंग पैसेंजर्स की सिक्योरिटी एवं वांहा के तरह-तरह के अन्य व्यवस्थाओं के बारे में बच्चों को वृतांत से बताया गया एवं समझाया गया की एयरपोर्ट का कंट्रोलिंग सिर्फ वहां पर का ही क्षेत्रीय रूप से नहीं रहता है इसका कंट्रोलिंग में सेंटर दिल्ली से रहता है जो की एक तीसरी आंख की तरह काम करती है और वहां की पूरे सिक्योरिटी का और सेफ्टी का ध्यान देती है बच्चों को एयरपोर्ट के टिकट काउंटर, एंट्रेंस, एग्जिट एवं रनवे के बारे में बताएं, रनवे जो की 1.8 किलोमीटर का है जिसमें से हवाई जहाज को लैंड किया जाता है एवं उड़ाया जाता है। अंत में सभी के साथ ग्रुपिंग फोटो लेते हुए धन्यवाद ज्ञापन हुआ। तत्पश्चात बच्चों को लेकर हम वाटर पार्क आए जहां बच्चों ने वाटर पार्क की तरह-तरह के झूलों का लुफ्त उठाया तथा पुष्प वाटिका का भ्रमण किया और भोजन किया। विद्यालय के संस्थापक श्री रामानंद जी ने इस भ्रमण के संबंध में कहा कि इस प्रकार का आयोजन और कार्यक्रम बच्चों को प्रतिभा निखारता है तथा बच्चों में नई ऊर्जा जागृत करती है तथा भविष्य में होने वाले कई प्रकार के अचीवमेंट वर्क में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। एवं विद्यालय सचिव श्रीमती सीमा दे ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से बच्चों में नई चेतना जागृत होती है क्या पता इन्हीं बच्चों में से कोई एक इस महामाया एयरपोर्ट का डायरेक्टर हो या पायलट हो। इस पूरी व्यवस्था में अचीवमेंट कॉन्वेंट स्कूल परिवार के शिक्षक गण एवं 4 स्टाफ का सहयोग रहा था।

सत्ता बदली,सरकार बदली,नहीं बदली तो किसानों की हालत

हमाली राशि का सालाना लाखों में होता है शासन की ओर से भुगतान, परंतु हिसाब कहीं नहीं

किसानों की सुविधाओं के लिए, उन्हें परेशानियों से बचाने के लिए और उन्हें आर्थिक परेशानी ना उठानी पड़े इसके लिए सभी समितियां और धान खरीदी केंद्रों में सरकार ने पंजीकृत हम्माल रखने को निर्देशित किया है। जिनके द्वारा किसानों के लाए हुए उपार्जित फसल को वजन कर, सिलाई कर समिति में निर्धारित स्थान तक रखने का पूरा कार्य किया जाना है। और जिसका भुगतान शासन द्वारा निर्धारित दर के अनुसार समिति प्रबंधकों को पंजीकृत हमालों के खाते में किया जाना है। बड़ी विकट विडंबना है कि अधिकांश, लगभग सभी समितियां में हमालों की संख्या तो सैकड़ो में है, परंतु उनमें से कौन पंजीकृत है, और किसका भुगतान समिति प्रबंधकों द्वारा किया जा रहा है। इसकी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। और जानकारी उपलब्ध भी हो तो कैसे, क्योंकि इन सारी प्रक्रियाओं के लिए होने वाले आर्थिक भुगतान का बोझ तो स्वयं किसानों को उठाना पड़ रहा है। विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में होने के बावजूद राशि भुगतान के मामले में राहत दिलाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जाती। यहां तक की विपक्ष भी आंख मूंदे पड़ा हुआ है।

धान खरीदी केंद्रों में चेहरे भी हुए नए नियुक्त, पर परेशानियां आज भी पुरानी..हमाली राशि का भुगतान आज भी किसानों से ही...

समितियां में लगे सीसीटीवी कैमरे किसी काम के नहीं, क्योंकि उनकी दिशा ही ऐसी है

हमाली राशि का सालाना लाखों में होता है शासन की ओर से भुगतान,परंतु हिसाब कहीं नहीं...

बिचौलिए आज भी सक्रिय, आसानी से होता है समितियां में उनका काम...

अभी तक किसी भी समिति से नहीं हुआ है धान का उठाव, इसीलिए समिति कर्मचारियों को नहीं मिला है भ्रष्टाचार का मौका...

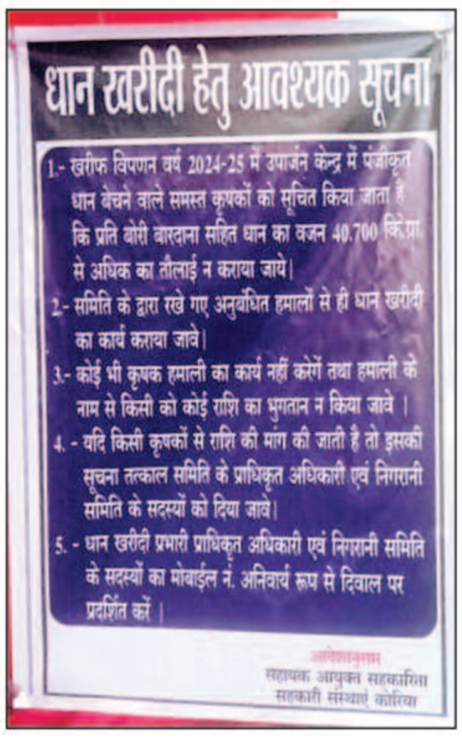

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सत्ता बदली, सरकार बदली, नए चेहरे भी निर्वाचित होकर आए। चुनाव पूर्व किसानों से वादों की झड़ी लगा दी गई, सब कुछ बदला, बस नहीं बदली तो किसानों की समस्याएं। आज भी सरकार चाहे जितने दावे करे, परंतु रोजाना किसानों को समितियां में धान विक्रय करने के लिए सैकड़ो परेशानियों का सामना गाहे बगाहे करना ही पड़ता है। कभी हमाली राशि के नाम पर, तो कभी धान को खराब बात कर अवैध वसूली, प्रत्येक समिति में लगातार चल रही है। सरकार किसान के हालात और व्यवस्था सुधारने के नाम पर चाहे कितने ही वाहवाही ले, चाहे जैसे भी निगरानी समिति का गठन कर दें, परंतु किसानों समस्याओं का कोई स्थाई हल नजर नहीं आ रहा है। हर साल समितियां को लाखों रूपयों की राशि हमाली के नाम पर दी जाती है। शासन ने यह व्यवस्था दी है कि किसान अपना उपार्जित धान लेकर तय तिथि पर समिति में उपस्थित होगा और बाकी सारा कार्य समिति प्रबंधक, धान खरीदी प्रभारी और समिति में नियुक्त कर्मचारियों के द्वारा नियोजित किया जाएगा। यहां तक की धान की पलटी, तौल, सिलाई एवं चट्टा में चढ़ाने की पूरी

प्रक्रिया समिति में नियुक्त एवं पंजीकृत हमालों द्वारा किया जाएगा एवं हमालों की राशि का भुगतान समितियां को जारी की गई शासन द्वारा राशि से उनके बैंक खातों में किया जाएगा। परंतु दैनिक घटती घटना ने कोरिया जिले में स्थित कई समितियां में जब जांच पड़ताल की और धान बेचने को उपस्थित किसानों से बात की तो शासन की मनसा से परे अलग ही चेहरा उजागर हुआ। किसी भी समिति में पंजीकृत हमाल नहीं है, ना तो उनका कोई रिकॉर्ड मेंटेन है। न हीं उनको समितियां द्वारा किसी प्रकार का भुगतान किया जा रहा है। जो किसान धान लेकर समिति में बेचने जा रहा है, आने-जाने से लेकर तौल करना बोरियां की सिलाई करना, बोरियों को चट्टा पर चढ़ाना या तो उसको अपने स्वयं के व्यवस्था पर करनी पड़ती है, या फिर वहां उपस्थित बगैर पंजीकृत हमालों को नगद भुगतान करना पड़ रहा है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से लेकर शासन में पहुंच पकड़ रखने वाले रसूख रखने वालों तक किसानों ने यह बात कई बार पहुंचाई, परंतु मिली भगत ऐसी है कि राशि का बंदर बांट करने में कोई पीछे नहीं है।

विडंबना देखें कि जहां बिचौलिए जब अपना धान लेकर समितियां में पहुंचते हैं, तो उनके धान की पलटी भी नहीं कराई जाती। बल्कि गाड़ियों से उठाकर सीधे निर्धारित स्थान पर पहुंचा दिया जाता है। आलम यह है कि जहां एक सामान्य किसान अपनी टोकन वाली निर्धारित तिथि को सुबह से शाम तक अपने धान को बेचने के लिए परेशान रहता है। वहीं बिचौलिए, व्यापारी और समिति कर्मचारियों से संपर्क में रहने वाले लोगों को सैकड़ो क्विंटल धान खपाने में आधे घंटे का भी समय नहीं लगता। इन सब घटनाओं की निगरानी के लिए शासन द्वारा प्रत्येक समिति और धान खरीदी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगाने को निर्देशित किया गया है, और अधिकांश धान खरीदी केंद्रों में कैमरे लगे भी हुए हैं। परंतु उनकी दिशा ऐसे निर्धारित की गई है कि उनके फुटेज से भी कुछ पकड़ में नहीं आएगा। प्रत्येक खरीदी केंद्रों में नोडल अधिकारी भी नियुक्त हैं। परंतु या तो उन्हें भी मैनेज कर लिया गया है, या वे स्वयं किसानों का शोषण करने में लिप्त हो चुके हैं। यदि निगरानी समिति या प्रशासन का जिम्मेदार, ईमानदार अधिकारी सीसीटीवी कैमरा की जांच करें तो प्रत्येक धान खरीदी केंद्र में यह मामले स्वयमेव उजागर हो जाएंगे।

अभी तक किसी भी समिति से नहीं हुआ है धान का उठाव, इसीलिए समिति कर्मचारियों को नहीं मिला है भ्रष्टाचार का मौका

छत्तीसगढ़ के वर्तमान सरकार ने प्रत्येक किसान से प्रति एकड़ 21 कुंतल के मान से धान खरीदी का लक्ष्य रखा है। परंतु यह बात यह है कि सामान्य प्रक्रियाओं से खेती करने वाले किसानों का उपार्जन सामान्यतः प्रति एकड़ 15 से 20 क्विंटल के बीच ही हो पता है। तात्पर्य है कि कोई भी किसान अपने निर्धारित रकबे में स्वयं का उपार्जित पूरा धान पूर्ति करने में सफल नहीं हो पाता। इसका फायदा समिति में पदस्थ कर्मचारी, राइस मिलरो के मिली भगत से करते हैं, और जिस किसान का रकबा बकाया रह जाता है उसे किसानों से या तो नगद पैसे लेकर या फिर उसे सौदेबाजी कर फर्जी धान खरीदी की जाती है। और यह तब संभव होता है जब धान का उठाव प्रारंभ हो जाता है। इसको इस तरह से समझे कि यदि किसी समिति को 400 क्विंटल धान उठाव कर किसी राइस मिल में भेजना हो तो 400 क्विंटल धान भेजने के बदले में राइस मिलर से साह्ळ्द्ध गांठ कर, पैसों का लेनदेन कर उठाव प्रदर्शित कर दिया जाता है, और फर्जी खरीदी कर शासन को हर वर्ष समिति कर्मचारियों द्वारा करोडो का चूना लगाया जाता है। क्योंकि अभी तक प्रशासन द्वारा किसी भी समिति से धान उठाव के लिए निर्देशित नहीं किया गया है, तो अभी तक समिति में पदस्थ कर्मचारी और बिचौलियों को इस प्रकार का भ्रष्टाचार करने का मौका नहीं मिला है। यदि प्रशासन चाह ले तो समिति से उठाव वाले दिन की सीसीटीवी फुटेज के द्वारा प्रत्येक समिति में इस प्रकार से होने वाले भ्रष्टाचार का बड़ी आसानी से खुलासा कर सकता है। उससे भी बड़ी बात यह है कि समिति के कर्मचारी इस प्रकार के भ्रष्टाचार को अंजाम देने में पीछे नहीं रहते और पीछे नहीं हटते । क्योंकि अधिकांश समितियां और धान खरीदी केंद्रों में जिनके भरोसे समिति संचालित की जा रही हैं, अधिकांश कर्मचारी शासन द्वारा नियुक्त नहीं है, नहीं उनमें से अधिकांश लोगों के पास किसी प्रकार का कोई नियुक्ति आदेश है। वे केवल पैसों के बल पर और पहुंच पकड़ के दम पर समितियां में कार्यरत है। और किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार कर लेने पर भी उन्हें नौकरी जाने या किसी प्रकार के दंड भोगने का कोई भय नहीं है।

ऑनलाइन टोकन प्रक्रिया में भी पेंच, यह कैसे संभव की प्रतिदिन जारी सीमा 100 प्रतिशत हो जाती है समाप्त

शासन द्वारा प्रत्येक धान खरीदी केंद्रों में प्रतिदिन की खरीदी के लिए सीमा निर्धारित की है, और इस बार किसानों की सुविधा के लिए ऑनलाइन मोबाइल ऐप के द्वारा इच्छा अनुसार तिथि को टोकन काटने की भी सुविधा दी गई है। इससे हुआ यह है कि अधिकांश जानकार किसान अपने सुविधा अनुसार तिथि को अपना टोकन घर बैठे काट ले रहे हैं और उन्हें समितियां के चक्कर लगाना नहीं पड़ रहा है। परंतु ऑनलाइन टोकन प्रक्रिया को भी जांच करने पर एक बड़ी बात सामने आ रही है की प्रतिदिन निर्धारित सीमा के बराबर ही धान समितियां में कैसे खरीदी की जा रही है। यह तो संभव नहीं की निर्धारित सीमा से ऊपर की खरीदी हो जाए, परंतु प्रतिदिन निर्धारित सीमा के बराबर ही खरीदी हो रही है, यह सोचनीय विषय है। क्योंकि जब किसान ऑनलाइन टोकन काट रहा है, तो निश्चित सीमा से कम की स्थिति का भी जब टोकन करता है, परंतु अंतिम समय तक जांच करने पर वह सीमा समाप्त हो जाती है, अर्थात उस दिन की खरीदी 100 प्रतिशत पूर्ण मानी जाती है। प्रतिदिन 100 प्रतिशत की खरीदी कैसे संभव है, जबकि प्रत्येक किसानों का रकबा, उनके धान बेचने की सीमा पृथक पृथक है। अब प्रशासन कितना सजग होकर इस वर्ष धान खरीदी कार्य को अंतिम रूप तक पहुंच पाती है, और भ्रष्टाचार में कितना अंकुश लगा पाती है, यह तो देखने वाली बात होगी। परंतु यह तय है कि किसान केवल चुनावी विषय है, जिनका ध्यान केवल चुनाव तक ही रखा जाता है। उसके बाद उनके सुध लेने वाला कोई नहीं है।

लिरिक्स ओपन माइक 2024: कला,साहित्य और मनोरंजन का संगम, बैकुंठपुर में प्रतिभाओं ने मंच पर बिखेरी अद्वितीय चमक

शायरी, कविता से कॉमेडी तक:लिरिक्स ओपन माइक 2024 में प्रतिभाओं का जलवा, 23 से अधिक कलाकारों ने जीता दर्शकों का दिल

स्थानीय प्रतिभाओं का मंच, वैश्विक पहचान का अवसर, कला और साहित्य के इस महोत्सव में उमड़ा जनसैलाब

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कला, साहित्य और मनोरंजन की गंगा बहाने वाला कार्यक्रम लिरिक्स ओपन माइक 2024 ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों और अद्वितीय प्रतिभाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह आयोजन स्थानीय कलाकारों और नवोदित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से होटल रामसेतु में सायं 5 बजे आरंभ हुआ। विभिन्न विधाओं में कला और साहित्य की प्रस्तुतियों ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शारदा गुप्ता ÷विद्रूप÷ और राजीव गुप्ता ÷राज़ी÷ द्वारा हुआ, जिन्होंने अपने सधे हुए संचालन से पूरे आयोजन को जीवंत बना दिया। इस मंच पर 23 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने कौशल और रचनात्मकता से दर्शकों का दिल जीता।

कार्यक्रम में भाग लेने वाली प्रतिभाएँ

इस कार्यक्रम में शामिल प्रतिभाओं ने विविध विधाओं जैसे कविता, शायरी, मिमिक्री, स्टैंडअप कॉमेडी, और रैप आदि में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। लिरिक्स ओपन माइक 2024 में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने अपनी अद्भुत प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस आयोजन में श्री संवर्त कुमार रूप, बैकुंठपुर से, जो एक पत्रकार हैं, ने कविता पाठ किया। बिशुनपुर से शिक्षिका श्रीमती तारा पांडे मुक्तकांक्षा ने अपनी कविताओं से सभी को प्रभावित किया। श्रीमती श्वेता सोनी, बैकुंठपुर की शिक्षिका ने भी अपनी उत्कृष्ट कविता का प्रदर्शन किया। बैकुंठपुर के स्वास्थ्यकर्मी कमलेश खाखा ने मिमिक्री में अपनी प्रतिभा दिखाई। चरचा के छात्र श्री स्वयं कुमार कर्ण ने रैप आर्टिस्ट के रूप में शानदार प्रस्तुति दी। रामगढ़ के छात्र अवध यदुवंशी ने कविता पाठ किया, जबकि बैकुंठपुर की शिक्षिका श्रीमती काजल पाठक और सुश्री अलीशा शेख ने भी अपनी रचनाओं से दर्शकों का दिल जीता। बैकुंठपुर के शिक्षक राजेश पांडे ने अपनी कविताओं से प्रभाव छोड़ा। सोनहत से चिकित्सक श्री राजकुमार शर्मा ने हास्य कविता प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब हंसाया। बैकुंठपुर के शिक्षक श्री हरिकांत अग्निहोत्री ÷महर्षि÷ और चिरमिरी से एस.के. बघेल, भूपेश पनेरिया, और शंकर ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। चरचा की लेखिका और यूट्यूबर सुश्री काजल सिंह ने स्टैंडअप कॉमेडी के माध्यम से दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। बैकुंठपुर की शिक्षिका विद्या दुबे ने अपनी रचनाओं से सभी को प्रभावित किया। बैकुंठपुर के शिक्षक सौरभ नामदेव और आदर्श तिवारी ने भी कविताओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चिरमिरी के अधिवक्ता अभिजीत ठाकुर ने शायरी के माध्यम से भावनाओं को व्यक्त किया। प्रतापपुर के कृषक श्री रोहित मानिकपुरी ने अपनी कविताओं से ग्रामीण जीवन का चित्रण किया। भगवान दास ने अपनी भावनात्मक शायरी से सभी के दिलों को छू लिया। इन सभी प्रतिभागियों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से लिरिक्स ओपन माइक 2024 को एक यादगार आयोजन बना दिया।

कार्यक्रम की विविधता और दर्शकों की सराहना

कार्यक्रम में प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी कला से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कविताओं में जहां जीवन के विभिन्न पहलुओं को खूबसूरती से उकेरा गया, वहीं शायरी ने भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम प्रदान किया। मिमिक्री और स्टैंडअप कॉमेडी ने दर्शकों को हंसी के ठहाकों में लीन कर दिया, जबकि रैप प्रस्तुतियों ने युवाओं को अपनी ओर आकर्षित किया।

विशेष अतिथि और सांस्कृतिक रंग

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री सूरज सिंह परिहार रहे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। उन्हें विशिष्ट अतिथियों के साथ मंच पर पुष्पगुच्छ और भेंट देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने स्वयं भी काव्य पाठ किया, जिससे दर्शकों में साहित्य के प्रति और अधिक रुचि जाग्रत हुई। कार्यक्रम को और अधिक रंगीन बनाने के लिए प्रसिद्ध गायकों ओम अग्रहरि, सचि पांडे और शुभांक सुर्वे ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सम्मान और स्मृति चिह्न वितरण

कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने लिरिक्स ओपन माइक 2024 को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी प्रायोजकों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया। प्रायोजकों को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथीगण द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किए गए। प्रतिभागियों को प्रायोजकों द्वारा प्रशस्ति पत्र वितरित किए गए। पुलिस अधीक्षक कोरिया श्री सूरज सिंह परिहार को प्रायोजकों और मीडिया साथियों के माध्यम से एक विशेष किताब भेंट की गई।

प्रायोजक और आयोजन समिति का योगदान

कार्यक्रम को सफल बनाने में होटल रामसेतु, कंप्यूटर प्लाजा, शुभ डिलाइट केक एंड बेकर्स, डस्टिंग डॉक्टर, हरिओम स्टेशनरी और कस्तूरी स्टील जैसे प्रायोजकों का विशेष योगदान रहा। शारदा गुप्ता और राजीव गुप्ता ने अपने अथक प्रयासों से इस कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाया। शारदा गुप्ता एवं राजीव गुप्ता ने भी अंत में अपनी प्रस्तुति दी..

भविष्य की योजनाएँ

कार्यक्रम के समापन पर शारदा गुप्ता एवं राजीव गुप्ता ने लिरिक्स ओपन माइक 2024 के अगले संस्करण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन निरंतर होता रहेगा और नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करेगा। अगले संस्करण में और भी अधिक प्रतिभाओं को मौका देने की योजना है। लिरिक्स ओपन माइक 2024 ने न केवल कला और साहित्य के प्रति लोगों में रुचि बढ़ाई है, बल्कि उभरती हुई प्रतिभाओं को अपनी पहचान बनाने का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया है। यह आयोजन स्थानीय समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बना और इसे एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में लंबे समय तक याद किया जाएगा। कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि कला और साहित्य के प्रति जुनून रखने वाले कलाकारों को अगर सही मंच मिले, तो वे न केवल अपनी पहचान बना सकते हैं, बल्कि समाज को भी प्रेरित कर सकते हैं। लिरिक्स ओपन माइक 2024 का यह प्रयास निश्चित रूप से कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नौकरी लगाने के नाम पर रकम वसूलने वाले दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

-संवाददाता-
कोरबा,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी, अति0 पुलिस अधीक्षक कोरबा यूबीएस चैहान, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल कुमार पाठक के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी दीपका प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में दीपका पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में बाबू का नौकरी लगाने का झांसा देकर 450000.00 रू चार लाख पचास हज़ार रू वसूल करने वाले दो आरोपियों को बिलासपुर और जांजगीर से पकड़ने में दीपका पुलिस कोरबा को सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 07/12/2024 को प्रार्थी संजय दास द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि आरोपीया सुमन सिंह द्वारा अपने भाई जय सिंह के साथ मिलकर प्रार्थी और उसके दोस्त का सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर धोखाधड़ी कर 450000.00 रू चार लाख पचास हज़ार रू वसूल लिए है, उक्त रिपोर्ट पर थाना दीपका में अपराध क्रमांक 415/2024 धारा 420,34 भा द वि पंजीबद्ध कर दोनों आरोपी 1) सुमन सिंह राजपूत पिता चेतन सिंह उम्र 32 वर्ष साकिन बसंतपुर थाना कोतवाली जांजगीर चांपा (छ.ग.) 2) जय सिंह राजपूत पिता चेतन सिंह राजपूत उम्र 30 वर्ष साकिन बसंतपुर थाना कोतवाली जांजगीर चांपा (छ ग)को जांजगीर चांपा और बिलासपुर से गिरफ़्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202411021700053 /अ-24/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नन्दू राम आ0 दशरथ व अन्य 02, निवासी ग्राम रनपुरखुर्द, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदकगण के नाम पर ग्राम रनपुरखुर्द में भूमि कुल खसरा नंबर 13 कुल रकबा 1.105 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदकगण अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 629/2 रकबा 0.089 हे0 में से 0.008 हे0 रकबे को छ0ग0 शासन को त्यजन करना चाहते हैं।आवेदकगण द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम1) की प्रति संलग्न किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/12,2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जसवीर सिंह आ0 रंजित सिंह, निवासी महादेव पारा बघिमा, तह0 राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदक रतन सिंह आ0 स्वरूप सिंह उर्फ रूद्ध सिंह निवासी शांतिनगर शिवनन्दनपुर विश्रामपुर, जिला सूरजपुर की ओर से मुख्तार आम- जसवीर सिंह आ0 रंजित सिंह, निवासी महादेवपारा बघिमा, तह0 राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज से नगर अम्बिकापुर शीट नं0 03, मोहल्ला-केदारपुर स्थित, नजूल भूमि खसरा नं. 1111 रकबा ह0.13 एकड़ में से रकबा 995.8 वर्गफीट भूमि/मकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 30/10/2024 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1969 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोनू सिंह आ0 रंजित सिंह, निवासी महादेव पारा बघिमा, तह0 राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदक द्वारा अनावेदक रंजीत सिंह आ0 स्वरूप सिंह उर्फ रूद्ध सिंह निवासी केदारपुर अम्बिकापुर की ओ से मुख्तार आम- जसवीर सिंह आ0 रंजित सिंह, निवासी महादेवपारा बघिमा, तह0 राजपुर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज से नगर अम्बिकापुर शीट नं0 03, मोहल्ला-केदारपुर स्थित, नजूल भूमि खसरा नं. 1111 रकबा ह0.13 एकड़ में से रकबा 995.8 वर्गफीट भूमि/मकान को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 30/10/2024 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1969 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती श्रीमती रेनू अग्रवाल पति श्री शेखर अग्रवाल निवासी एम0जी0 रोड, सज्जन कालोनी अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है कि आवेदिका द्वारा अनावेदक मंगत राय उर्फ मंगत राम अग्रवाल आ0स्व0 मूलचन्द अग्रवाल, निवासी मनेन्द्रगढ़ रोड, सज्जन कालोनी अम्बिकापुर, मुख्तार आम शेखर अग्रवाल पिता श्री मंगत राय अग्रवाल के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की अम्बिकापुर स्थित शीट नं0 08, मोहल्ला-नमनाकला,खसरा नं, 233/2 रकबा 0.92 एकड़ में से रकबा 0.301/2 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध दानपत्र,पंजीयन दिनांक 06/11/2024 के माध्यम से अनावेदक से प्राप्त किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध दानपत्र के आधार पर आवेदिका द्वारा प्राप्त उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1969 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 02/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

जो रखते थे कभी खुद के दर्जनों प्रतिनिधी,उन्हे प्रतिनिधी बनाने से हो रही किरकिरी, क्या कांग्रेस में नही है कोई और ईमानदार कार्यकर्ता,क्या जरूरी था इन पूर्व विधायकों को पद देना?

अविभाजित कोरिया के तीनों पूर्व विधायक अब बनें सांसद प्रतिनिधि

बारहवीं पास करके दसवीं पढ़ने की स्थिति

अविभाजित कोरिया की तीनो विधानसभा सीट पर लोकसभा चुनाव में बढत दिलानें का मिला ईनाम या फिर डॉ. महंत ने चली कोई और चाल?

नियुक्ति कार्यकर्ताओं के समझ से परे, हो रही तरह तरह की चर्चा

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कभी सत्ता के नशे में चूर होकर जिन विधायकों की चाल बदल गई थी उन्हे पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने बाहर का रास्ता दिखला दिया था, जो अधिकारियों पर अपना रौब झाड़ते थे, सीधे मुह किसी से बात नही करते थे,अधिकारी कर्मचारी से लेकर अन्य वर्ग को भी परेषान किया करते थे,हर गलत कार्य करने वाले को सहारा देते थे,यही नही कार्यकर्ताओं को भी तवज्जो नही देते थे उन्हे पिछले एक वर्ष से अपने पद के आगे पूर्व लिखा हुआ शोभा नही दे रहा था इस वजह से अब ऐसे माननीयों को सांसद प्रतिनिधी का पद लेना पड़ा है,यह पद पाकर ऐसे माननीय भले ही खुश हो और उनके समर्थक उन्हे सोशल मीडिया में बधाई देते फिर रहे हों लेकिन कार्यकर्ता एवं आम जन मानस में इसका उल्टा असर दिखलाई पड़ रहा है जनमानस में चर्चा है कि जो विधायक पद पर होने के दौरान खुद के दर्जनों प्रतिनिधी नियुक्त करते फिर रहे थे वे अब खुद प्रतिनिधी बन गए हैं जो कि हास्यप्रद ही कहा जा सकता है।

उनकी मनसा के अनुरूप बनाया गया या फिर अपनी मनसा थोपी गई?

कोरबा सांसद वैसे तो काफी अनुभवी नेत्री में मानी जाती है और उनके लिए गए निर्णय काफी अच्छे होते हैं, पर न जाने इस बार उन्होंने ऐसा निर्णय क्यों लिया? कि वह खुद ही आलोचना की शिकार हुई साथ ही अपने पूर्व विधायकों को भी आलोचना के जाल में फंसा दिया। कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत काफी अच्छी नेत्री मानी जाती है उनके पास निर्णय लेने की क्षमता बहुत अधिक व अच्छी है और उनके निर्णय कई बार अच्छे भी साबित हुए हैं, पर इस बार लिया गया निर्णय उनके लिए सहित जिन्हें उन्होंने सांसद प्रतिनिधि चुना उनके लिए भी घातक हो गया है, सोशल मीडिया में जहां सत्ता पक्ष के छूट भैया नेता हावी हो गए हैं तो वहीं तमाम तरह से लोग इस फैसले को गलत बताने में नहीं झिझक रहे। अब सवाल यह उठता है कि जिन्हें सांसद प्रतिनिधि बनाया गया है उनकी मनसा के अनुरूप बनाया गया है या फिर अपनी मनसा थोपी गई है तमाम तरीके से यह सवाल अब उठ रहे हैं कई लोगों का कहना है कि जिन्हें बनाया गया उन्हें खुद पता नहीं था और अचानक उन्हें विधायक प्रतिनिधि का आदेश थमा दिया गया, पर वही कुछ का कहना है कि उनके मनसा के तहत ही इन्हें बनाया गया है क्योंकि कोई भी अधिकारी उनकी सुन नहीं रहा था जिस वजह से यह निर्णय लिया गया और उस आदेश में यह भी लिखा गया है कि संसद की अनुपस्थिति में इन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए।

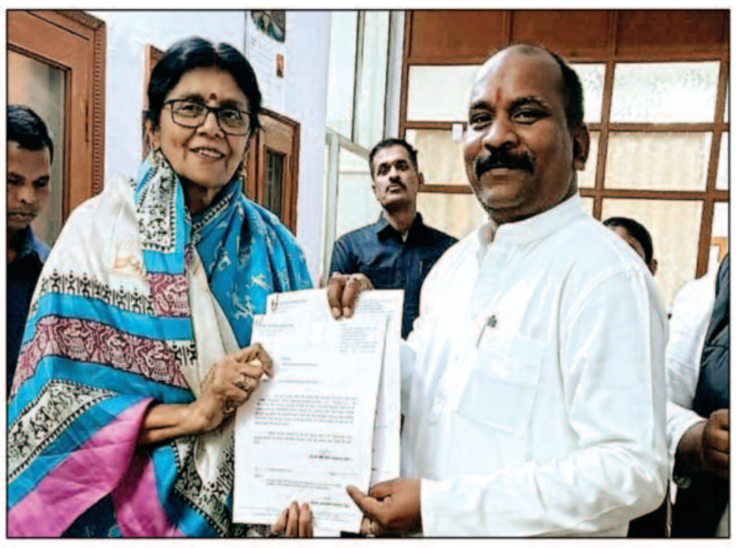

तीनों पूर्व विधायक अब सांसद प्रतिनिधि

अविभाजित कोरिया में तीन विधानसभा सीट हैं जहां कि पूर्व में भरतपुर सोनहत विधानसभा से गुलाब कमरो, मनेंद्रगढ विधानसभा से विनय जायसवाल एवं बैकुंठपुर विधानसभा से श्रीमती अंबिका सिंहदेव विधायक हुआ करते थे। इन सभी पर सत्ता का नषा सर चढकर बोल रहा था जिसकी वजह से वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में इन तीनों को हार का मुंह देखना पड़ा था। जाहिर सी बात है सत्ता की मलाई खा चुके इन तीनों माननीयों को विधायक पद के आगे पूर्व लिखना शोभा नही दे रहा था। पिछले दिनों क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत का कोरिया एवं एमसीबी दौरा हुआ यहां उन्होने अपने हाथों से तीनों पूर्व विधायको को नियुक्ति पत्र सौंपा है। जानकारी के तहत गुलाब कमरो को सरगुजा एवं उत्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण एवं भरतपुर सोनहत विधानसभा, विनय जायसवाल को विधानसभा क्षेत्र मनेंद्रगढ एवं श्रीमती अंबिका सिंहदेव को विधानसभा क्षेत्र बैकुंठपुर का सांसद प्रतिनिधी नियुक्त किया गया है। उक्त तीनों प्रतिनिधी सांसद की अनुपस्थिति में विभिन्न बैठकों में शामिल होंगे।

जिन्होने गली-गली में बनाये थे प्रतिनिधि,अब खुद बने

वर्ष 2018 में विधायक बनने के बाद तीनों विधानसभा क्षेत्र में दर्जनों विधायक प्रतिनिधी बनाये गए थे। अस्पताल, थाना, जनपद पंचायत,नगर पंचायत से लेकर ऐसे ऐसे स्थानों पर प्रतिनिधी रखे गए थे जिनका कही कोई औचित्य नही था। समय के साथ - साथ विधायक से लेकर उनके प्रतिनिधी भी पूर्व हो गए लेकिन अब माननीय विधायको को पूर्व होना ठीक नही लग रहा है,सो उन्होने खुद को सांसद प्रतिनिधी ही बनना सही समझा और संभवतः उनकी हामी पर ही उन्हे इस पद पर नियुक्त किया गया है। हलांकि इन तीनों की नियुक्ति से किरकिरी भी होने लगी है।

क्या कांग्रेस में नही है कोई और कार्यकर्ता?

पूर्व विधायको को सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने अपना प्रतिनिधी नियुक्त किया है,इससे कई सवाल उठने लगे हैं। कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारियों में निराषा भी देखी जा रही है साथ ही उनकी किरकिरी और हंसी भी हो रही है। कार्यकर्ता दुखी मन से प्रश्न खड़ा कर हैं कि क्या कांग्रेस में कोइ और ईमानदार कार्यकर्ता नही हैं जो इन पूर्व विधायको को यह पद देना पड़ा है।

लोकसभा चुनाव में बढत का मिला ईनाम या कोई और चाल

सांसद प्रतिनिधियों की नियुक्ति पत्र में भले ही हस्ताक्षर सांसद ज्योत्सना महंत ने किया है लेकिन यह नियुक्ति नेता प्रतिपक्ष डॉक्टर चरणदास महंत की मर्जी के बिना संभव नही है यह सभी को मालूम है। गत लोकसभा चुनाव में अविभाजित कोरिया की तीनों विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याषी सरोज पांडेय को भीतरघात का सामना करना पड़ा था और यहां से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योत्सना महंत ने अच्छी खासी बढत बनाई थी। नियुक्ति के पीछे डॉ. महंत की मंशा क्या है यह तो उन्हे ही मालूम है लेकिन लोकसभा चुनाव में बढत का ईनाम साथ ही साथ यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि महंत ने इससे जरूर ही कोई राजनैतिक चाल चली है।

मैं बारहवीं पास करके अब फिर से दसवीं पढ़ूंगा की तर्ज पर पूर्व विधायक बने प्रतिनिधि?

कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरण दास महंत ने अविभाजित कोरिया जिले के लिए अपने 4 प्रतिनिधियों की नियुक्ति की है। इन नियुक्तियों में आश्चर्यजनक यह है कि सभी नियुक्तियां पूर्व विधायकों की है साथ ही एक विधायक पद के प्रत्याशी का भी नाम इस नियुक्ति में शामिल है नियुक्त सभी पूर्व विधायक और विधायक प्रत्याशी चुनाव बुरी तरह हार गए थे जिन्हें क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने नकार दिया था उन्हें ही प्रतिनिधि बनाया गया है। जिन पूर्व विधायकों को और विधायक पद के प्रत्याशी को सांसद ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है सभी की नियुक्तियों के बाद यह प्रश्न भी उठने लगा कि यह तो एक तरह से पदोन्नति नहीं है इसे पदावनति ही कहा जाए तो सही है वहीं यह कुछ ऐसा ही है कि कोई छात्र यह कहे 12 वीं पास करके वह 10 वीं कक्षा में ही पढ़ाई करेगा। नियुक्तियों के बाद पार्टी के कार्यकर्ताओं में निराशा का माहौल है वहीं इसे इस नजरिए से भी देखा जा रहा है कि यह नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत की एक नई रणनीति है या प्रयोग है?

क्या घोड़े पर बैठने वाले को गधा पर बैठाया गया?

वैसे पूरा मामला घोड़े से उतरकर गधे पर बैठने वाला है। अब देखना है कि अब कार्यकर्ताओं का हक लूटकर पूर्व विधायक क्या ऐसा कर पाते हैं जिससे पार्टी को फायदा होता है। वैसे अपने कार्यकाल में पूर्व विधायकों ने कुछ भी अच्छा किया होता इतनी बड़ी हार नही होती।

उनका प्रयोग नई रणनीति कही प्रत्याशियों के दौड़ से बाहर करना तो नहीं?

उनका प्रयोग नई रणनीति यह हो सकती है कि जिन्हें भी जिन पूर्व विधायकों और विधायक पद के प्रत्याशियों को सांसद ने अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है वह आगे अब प्रत्याशी नहीं होंगे विधायक पद के या उनमें से कुछ प्रत्याशी नहीं होंगे। वैसे कार्यकर्ताओं का मन इस मामले में काफी उदास हुआ है और दबी जबान से वह यह कहते सुने जा रहे हैं कि यह नई परम्परा पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित होने वाली है और पार्टी वाले समय में इसका खामियाजा भुगतेगी। कार्यकर्ता दबी जबान में यह कहते सुने जा रहे हैं कि जिन्हें जनता ने हाल ही में बुरी तरह नकार दिया वह अब सांसद की नजर में योग्य हो गए उन्हें सांसद बड़ी जिम्मेदारी दे रही हैं। कार्यकर्ताओं का हक इस तरह खत्म किया जा रहा है नई परंपरा से कार्यकर्ताओं का मनोबल अब टूटेगा यह कहना है कार्यकर्ताओं का। वैसे कार्यकर्ताओं का कहना यह भी है कि यदि सांसद को लगता है कि लोकसभा चुनाव में उनकी जीत पूर्व विधायकों की देन है तो यह गलत है, कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकसभा की जीत तब सुनिश्चित हुई अविभाजित जिले में जब लोगों को यह विश्वास हुआ कि अब पूर्व विधायकों से उनका पीछा छूट चुका है और उनसे उनका अब कोई लेना देना नहीं होगा। कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति को लेकर यह भी विचार प्रकट किया कि यह नियुक्ति पूर्णतः ऐसी नियुक्ति है जिसके बाद पार्टी को आगामी चुनावों में नुकसान होना तय है।

क्या इतने बड़े क्षेत्र का दौरा नहीं कर पा रही इसलिए सांसद प्रतिनिधि चुनना पड़ा?

वैसे सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या सांसद ने यह निर्णय इसलिए लिया है क्योंकि वह बड़े क्षेत्र में दौरा नहीं कर पा रही हैं। सांसद ने अपना प्रतिनिधि बड़े क्षेत्र में इसलिए बनाया जिससे उन्हें हर जगह न जाना पड़े क्षेत्र में यह भी लोग कहते सुने जा रहे हैं। वैसे सांसद का निर्णय बड़े क्षेत्र की वजह से ऐसा है तो फिर कुछ हद तक सही है क्योंकि जब कभी वह किसी बैठक में उपस्थित हो पाने में बिलकुल सक्षम न पाएं किसी कारणवश तब उनका प्रतिनिधि शामिल हो जाए बैठक में। अब बात कुछ भी हो लेकिन यह नया पैंतरा ही माना जा रहा है सांसद का।

क्या पूर्व विधायक कि नहीं सुन रहा कोई इस वजह से उन्हें प्रतिनिधि नियुक्त किया गया?

क्या पूर्व विधायकों को लेकर प्रशासन का रुख सही नहीं है क्या उनकी प्रशासन नहीं सुन रहा है इसलिए पूर्व विधायकों को प्रतिनिधि बनाया गया है सांसद द्वारा।यदि ऐसा भी है तब भी सही है। वैसे पूर्व विधायकों की प्रशासन यदि नहीं सुन रहा और वह प्रतिनिधि सांसद का बनकर ही अपनी सुनवाई करवा पाएंगे तो ऐसे में यह भी कहना गलत नहीं होगा कि फिर उनकी प्रशासन से कार्य करा पाने की क्षमता या अपनी सुनवाई या विरोध दर्ज करने की क्षमता पर भी प्रश्न चिन्ह है।

संतोष कुमार देवानी को मिली डॉक्टरेट की मानद उपाधि

-संवाददाता-
अनूपपुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अमेरिका के फ्लोरिडा में कैनेडी यूनिवर्सिटी ऑफ़ बैसिस्ट से सम्बद्ध कैनेडी यूनिवर्सिटी द्वारा गोवा में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान पिछले तीन दशकों से बीमा एवं निवेश के क्षेत्र में कार्य कर रहे वरिष्ठ पत्रकार एवं एडवोकेट संतोष कुमार देवानी को बीमा एवं निवेश विशेषज्ञता पर डॉक्टर ऑफ़ फिलॉसफी की मानद उपाधि तथा अटल विश्व गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। गोवा में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत, वाशिंगटन डिजिटल यूनिवर्सिटी से डॉ. रनदिमा पतरिंगा, यूरो एशिया यूनिवर्सिटी के कुलपति सेबस्टिंग मेन्डिस, फिल्म कलाकार सहबाज़ खान, सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय भारत सरकार के सचिव डॉक्टर प्रदीप जगताप, ग्लोबल साइंटिस्ट रोशन पालीवार सहित देश विदेश की कई मशहूर हस्तियां उपस्थित रहीं। डॉ. संतोष कुमार देवानी की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं मिल रही हैं। बधाई शुभकामनाएं देने वालों में मुख्य रूप से कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मध्य प्रदेश दिलीप जायसवाल, डूमरकछार नगर परिषद अध्यक्ष सुनील चौरसिया, बिजुरी नगर पालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्यवस्थापक कृष्ण कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रकाश शर्मा, जिला पंचायत सदस्य रामजी मिश्रा, सेंट जोसफ मिशन स्कूल के प्राचार्य टोमी थॉमस, लाइफ इंश्योरेंस एजेंट फेडरेशन के जोनल उपाध्यक्ष सुनील निगम, शहडोल मंडल सचिव डी.पी राय, कोतमा अध्यक्ष रविभान सिंह बघेल, सचिव भगवान दास मिश्रा, एलआईसी शाखा कोतमा के प्रबंधक विनोद पाटिल, बिजुरी के शाखा प्रबंधक धीरेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, मनेद्रगढ शाखा प्रबंधक योगेश खम्परिया, सीएलआईए वेलफेयर एसोसिएशन शहडोल मंडल के अध्यक्ष सत्येंद्र पाठक, बार काउंसिल कोतमा के अध्यक्ष एडवोकेट राजेश सोनी, एड. रमेश गुप्ता, एड. शारदा शर्मा, एचएमएस के वरिष्ठ यूनियन नेता आनंद मिश्रा, एटक के वरिष्ठ यूनियन नेता विजय सिंह, बीएमयस के एरिया अध्यक्ष दारा सिंह, भारतीय जनता मजदूर संघ के प्रदेश मंत्री पुरुषोत्तम देवानी, हिंद मजदूर सभा वेलफेयर कमेटी के अमित वर्मा, सांसद प्रतिनिधि दीपक शर्मा, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी राजेश सिंह, रेल्वे समिति सदस्य गजेन्द्र सिंह अनूपपुर, डॉ अशोक देवानी, डॉ सौरभ जैन, डॉ व्ही.पी. यस. चौहान, डॉ डी.के. कोरी, डॉ योगेश थनवार (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉक्टर मनोज गुप्ता, डॉ विकास पाण्डेय, डॉ गणेश प्रजापति, डॉ पुष्पराज सिंह, डॉ शीतल प्रजापति, नगर बिजुरी के युवा व्यवसाई टीटू अग्रवाल, बिहारी सराफ, दीपक नागवानी, प्रशन्न शर्मा, सचिन केशरवानी, अमित पाटनी, रंजय सिंह, टीवी कलाकार आरिफ शहडोली एवं समाजसेवी वेंकट खेड़िया ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

विनायक हेल्थ केयर द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 170 मरीज का हुआ स्वास्थ्य प्रशिक्षण

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,09 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया पटना विनायक हेल्थकेयर क्लिनिक पटना के द्वारा हर साल अलग-अलग गांव में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है ताकि गरीबों को इसका लाभ मिल सके और उनका इलाज समय पर निशुल्क हो सके। ग्राम पंचायत तेंदुआ में विनायका हेल्थ केयर क्लिनिक के संचालक डॉ. रितेश कुशवाहा, श्री क्लिनिक के संचालक डॉ. सास्वती संतरा एवं लक्ष्मी डेंटल क्लिनिक एवं डायग्नोसिस सेंटर के संचालक डॉ. शिवानी अग्रवाल व सृजन अग्रवाल के तत्वाधान में निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर व दवा वितरण का आयोजन किया गया।

इस दौरान सर्दी, खासी, बुखार, मौसमी बीमारियो के अलावा अस्थमा, गठिया, शुगर, ब्लड प्रेशर, पथरी, चर्म रोग, पाइल्स, पायरिया दातों में सउन, मसुडो में सुजन, एनिमिया या खुन कि कमी, कम उम्र में बालो का झड़ना एवं महिलाओं से संबंधित रोग आदि बिमारियों का उपचार किया गया। इसके साथ ग्रामिणों को सामान्य एवं गंभीर बिमारियो से बचने के उपाय भी बताये गये। डॉ. रितेश कुशवाहा ने बताया कि मौसम के अनुरूप रखें व साफ सफाई का ध्यान रखें। एवं नशा न करने की सलाह दी, डॉ. सास्वती संतरा ने महिला यौन संबंधित रोगों के बारे में, और गंभीर गौन संक्रमण से बचने कि सलाह दी, डॉ. छीवानी अग्रवाल ने मुख संबंधित रोगों से बचने कि सलाह दी। शिविर को सफल बनाने में सरपंच श्रीमति सुमित्र देवी, उप सरपंच विमल कांत पटेल, सचित कबीर दास, फार्मासिस्ट - रोहित साहू नर्स. स्वाती कुशवाहा, दीपक कुशवाहा (बैब टैक्नीशियन) आदि शमिल रहें।

हेजलवुड की वजह से बोलैंड को छोडऩी पड़ सकती है जगह

एडिलेड,09 दिसम्बर 2024। ऐसा लगता था कि स्कॉट बोलैंड कभी भी दूर नहीं थे। एडिलेड में भारत के खिलाफ़ वह दो साल में पहला घरेलू टेस्ट खेले और उन्हें पहली ही गेंद पर विकेट मिल ही जाता अगर वह नो बॉल नहीं करते। जो वह पहली पारी में नहीं कर पाए वह उन्होंने दूसरी पारी में करके दिखाया, यह मैच में उनका पांच में से एक विकेट था और दर्शक इस पर उतने ही उत्साहित हुए जितना मिचेल स्टार्क की टेस्ट में बेहतरीन शुरुआत हो या फरि ट्रैविस हेड का शानदार शतक।तब भी बोलैंड का कमबैक केवल एक मैच के लिए ही हो सकता है। पर्थ में पहला टेस्ट खेले जोश हेज़लवुड एडिलेड में चोट की वजह से नहीं खेले थे और ऐसी उम्मीद है कि 14 दिसंबर से गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए वह तैयार रहेंगे।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया में होंगे भयंकर उलटफेर

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। रोहित शर्मा की कप्तानी में ही टीम इंडिया ने अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ बैक टू बैक तीन टेस्ट मैच हारे थे। अब ऑस्ट्रेलिया में रोहित शर्मा की वापसी हुई तो हार का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। पहला मैच जीतकर भारतीय टीम ने सीरीज में जो बढ़त बनाई थी, वो अब खत्म हो गई है। सीरीज बराबरी पर आ पहुंची है। अब बचे हुए तीन मैचों में क्या होगा, ये देखना काफी दिलचस्प होगा। हालांकि इतना तो करीब करीब पक्का सा लग रहा है कि दूसरे टेस्ट में काफी बदलाव नजर आएंगे।

रोहित शर्मा का मिडल आर्डर में आना नहीं रहा फायदेमंद

रोहित शर्मा की ऑस्ट्रेलिया सीरीज में वापसी हो गई है, लेकिन ये अच्छी साबित नहीं हुई। रोहित ने इस मुकाबले से पहले एक बड़ा फैसला किया और खुद मिडल आर्डर में खेलने के लिए आए। पहले टेस्ट की ओपनिंग जोड़ी यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल को इस मैच में फिर से मौका दिया गया। लेकिन इस बार ये जोड़ी किसी भी पारी में क्लिक नहीं कर पाई। भारत की हार का एक बड़ा कारण ये भी रहा। सलामी जोड़ी तो नहीं ही चली, रोहित शर्मा भी मिडल आर्डर में आकर कुछ खास नहीं कर सके। उम्मीद की जा रही थी कि रोहित के नीचे के क्रम में बल्लेबाजी करने से भारत को मजबूती मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। रोहित शर्मा मैच की पहली पारी में तीन और दूसरी में केवल 6 रन बनाकर आउट हो गए। हां, अगर रोहित अपनी पुरानी जगह यानी ओपनिंग के लिए आते तो हो सकता है कि कुछ बेहतर कर पाते। अब उम्मीद की जानी चाहिए कि रोहित शर्मा तीसरे टेस्ट में फिर से अपनी पुरानी जगह यानी ओपनिंग के लिए आएं।

हर्षित राणा की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को मिल सकता है मौका

इस बीच जब भी टीम मैच जीतती है तो कुछ कमजोर कड़ियां छिपी जाती हैं, लेकिन हार के बाद ये सारी बातें खुलकर सामने आ जाती हैं। हर्षित राणा इस मैच में भारतीय टीम की कमजोर कड़ी रहे। पूरे मुकाबले में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला, जमकर रन खर्च किए वो अलग से। मैच की पहली पारी में हर्षित राणा ने 16 ओवर में 86 रन खर्च किए। इस दौरान उनका इकॉनमी 5.67 का रहा। टेस्ट मैच में 5 से ज्यादा का इकॉनमी काफी खराब माना जाता है। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के सामने ज्यादा बड़ा टारगेट नहीं था, इसलिए कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें बॉलिंग ही नहीं दी। अब पूरी संभावना है कि अगले टेस्ट में हर्षित राणा का पत्ता कट सकता है। अभी मैच में कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन संभावना है कि तीसरे टेस्ट में प्रसिद्ध कृष्णा को एंट्री दी जा सकती है, जो पहले दो टेस्ट में बाहर बैठे हैं।

अगर मुकाबला टीम इंडिया के लिए काफी ज्यादा अहम

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया सीरीज का तीसरा मुकाबला गाबा में खेला जाएगा। भले ही भारतीय टीम ने पिछले दौरे में यहीं पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच जीता था, लेकिन हर बार ऐसा होगा, इसकी उम्मीद करना बेमानी होगी। भारत के लिए अगला टेस्ट करो या मरो टाइप का होगा, क्योंकि अगर मैच भारतीय टीम हारी तो फिर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी अधर में फंस जाएगा। साथ ही सीरीज भी हाथ से जाने का डर बना रहेगा। वैसे भी अपने घर पर पहला टेस्ट हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने जिस तरह से कमबैक किया है, उसके बाद टीम और भी ज्यादा घातक नजर आ रही है। ऐसे में उसे यहां अब रोक पाना करीब करीब असंभव हो सकता है। लेकिन देखना होगा कि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया कैसाा प्रदर्शन करती है।

विश्व चैंपियन बनने की तरफ डी गुकेश

चीन के खिलाड़ी को हराकर किया ऐसा

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने विश्व चैंपियन बनने की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हरा दिया है। विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 11वें दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने ये कमाल किया है। 14 दौर का ये टूर्नामेंट क्लासिकल प्रारूप में खेला जा रहा, जिसमें अब केवल तीन बाजियां बची हुई हैं। डी गुकेश के जीतते ही 6 अंक हो गए हैं। जबकि चीन के खिलाड़ी के पांच अंक हैं। जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक बनाएगा, वह विश्व चैंपियनशिप का विजेता बन जाएगा।

चीनी प्लेयर ने की गलतियां

डिंग लिरेन पर समय का दबाव था। चीन के खिलाड़ी ने इस दबाव में गलतियां की जिसका फायदा उठाकर गुकेश ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत हासिल की। गुकेश की जीत लगातार सात और कुल मिलाकर आठ ड्रॉ के बाद आई है। गुकेश ने घोड़े को आगे बढ़ाकर शुरुआत की लेकिन लिरेन ने बेनोनी ओपनिंग अपनाकर उन्हें हैरान कर दिया। ऐसा लग रहा था कि उन्होंने यह चाल अपनी रणनीति के तहत नहीं चली और ऐसा करने का तात्कालिक निर्णय लिया। पांच चाल के बाद ही गुकेश को एक घंटे की बढ़त हासिल हो गई तथा इस तरह के महत्वपूर्ण मुकाबले में ऐसी स्थिति से बाहर निकलना मुश्किल होता है। लिरेन पर समय कम होने का यह दबाव स्पष्ट दिख रहा था और ऐसे में उन्होंने गलतियां की।

28वीं चाल में की बड़ी गलती

चीन के खिलाड़ी के पास जब केवल सात मिनट बचे हुए थे तब उन्होंने 28वीं चाल में बड़ी गलती की और इसके तुरंत बाद ही हार स्वीकार कर ली। लेकिन शतरंज विशेषज्ञों का मानना है कि लिरेन की शुरुआत अच्छी नहीं थी। उनकी निगाह मिडिल गेम में गुकेश की गलतियों पर टिकी थी। मौजूदा चैंपियन के पास बीच में बेहतर स्थिति बनाने का मौका था लेकिन वह इससे चूक गए। गुकेश ने भी मिडिल गेम में काफी समय लिया लेकिन तब भी उनका पलड़ा भारी दिख रहा था। जब स्थिति लगभग स्पष्ट हो गई थी तब गुकेश ने अपने हाथी को खुलकर आगे बढ़ने का मौका देने के लिए रानी के पास के प्यादे को गंवाया। इससे भी लिरेन पर दबाव बढ़ा और वह गलती कर बैठे। उन्हें जल्द ही अपनी गलती का अहसास हो गया तथा भारतीय खिलाड़ी ने जल्द ही विजयी चाल चल दी।

गुकेश को चैंपियन बनने के लिए 3 बाजी करवानी हैं ड्रॉ

डी गुकेश को विश्व चैंपियन बनने के लिए अब केवल तीन ड्रॉ की जरूरत है। लिरेन ने इस प्रतियोगिता में शुरुआती बाजी जीतकर बढ़त बनाई थी लेकिन गुकेश ने तीसरी बाजी जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया था। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच लगातार सात बाजियां ड्रॉ रही थी।

जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने भारी दबाव में जवाब दिया वह बहुत बड़ी बात थी:पेन

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन ने पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम की भारी दबाव में वापसी करने और एडिलेड ओवल में गुलाबी गेंद के टेस्ट में भारत के खिलाफ दस विकेट से जीत हासिल करने की क्षमता की प्रशंसा की।पर्थ में पहले टेस्ट में 295 रनों से करारी हार झेलने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड ओवल में खेल के सभी पहलुओं में भारत पर दबदबा बनाया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली।

कप्तान पैट कमिंस (2-41 और 5-57) और तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क (6-48 और 2-60), बल्लेबाज ट्रैविस हेड (140) और मार्नस लाबुशेन (64) ऑस्ट्रेलिया की बड़ी जीत के मुख्य सूत्रधार थे, जो 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने का काम करता है।मुझे लगा कि थोड़ी राहत मिली होगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। हमने कुछ दिन पहले उन पर पडऩे वाले दबाव और लोगों द्वारा देखी जाने वाली प्रतिक्रिया के बारे में बात की थी। यह टीम कई बार कठोर व्यवहार वाली टीम है, लेकिन वे बेहतरीन टीमों में से एक हैं। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को छोड़कर सब कुछ जीता है और वे जानते हैं कि, उन्होंने इसके बारे में बात की है, यह वही है जिसे वे जीतना चाहते हैं। मुझे लगा कि जिस तरह से उन्होंने भारी दबाव में जवाब दिया वह बहुत बड़ी बात थी, हालांकि गुलाबी गेंद के टेस्ट में जहां हमारा रिकॉर्ड शानदार है और भारत को ऐसा देखने को नहीं मिलता है।

पेन ने एसईएन रेडियो पर कहा, मुझे लगता है कि बड़े खिलाड़ी खड़े हुए, खासकर कप्तान पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क - गुलाबी गेंद के जादूगर, ट्रैविस हेड कमाल के थे और मार्नस मुझे लगता है कि वाकई बहुत अच्छे थे। पेन ने पहले दिन लाइट्स के नीचे मुश्किल अंतिम सत्र को पार करने के लिए लाबुशेन और नाथन मैकस्वीनी की बल्लेबाजी के प्रयासों पर भी ध्यान दिया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 180 रन पर आउट करने के बाद 86/1 पर समाप्त किया।मुझे लगता है कि पहले दिन का अंतिम सत्र टेस्ट क्रिकेट का सबसे बेहतरीन सत्र था। आपके पास एक ऐसा चैंपियन है जो गुलाबी गेंद से लाइट्स के नीचे पूरी ताकत से दौड़ रहा है।

मोहम्मद सिराज और ट्रैविस हेड को मिली आपस में उलझने की सजा

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज अब चर्चा में है। वैसे तो सीरीज काफी पहले से शुरू हो चुकी है, लेकिन दूसरे मैच के बाद ही सीरीज में वो बात नजर आने लगी है, जो इन दोनों टीमों के बीच मुकाबले में होती है। पहला मैच जहां टीम इंडिया ने अपने नाम किया था, वहीं दूसरा मैच ऑस्ट्रेलियाई टीम जीतने में कामयाब रही। इस बीच दूसरे टेस्ट भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलिया के बड़े खिलाड़ी ट्रैविस हेड आमने सामने आ गए थे। इन दोनों के बीच कुछ शब्दों का आदान प्रदान हुआ। इस मामले को लेकर अब आईसीसी ने सख्त सजा का ऐलान किया है।आईसीसी ने मोहम्मद सिराज और ट्रैविस हेड को दोषी पाते हुए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने कहा है कि इन दोनों प्लेयर्स ने आईसीसी के नियम 2.5 का उल्लंघन किया है। इतना ही नहीं, आईसीसी ने ये भी माना है कि ट्रैविस हेड ने तो नियम 2.13 का भी उल्लंघन किया है। इसके साथ ही सिराज और ट्रैविस हेड को एक एक डिमेरिट प्वाइंट्स भी दिया गया है। हालांकि राहत की बात अभी तक ये है कि दोनों प्लेयर्स को आगे किसी भी मैच के लिए प्रतिबंधित नहीं किया है।

हर सीरीज में एक विलेन की जरूरत होती है और सिराज अब वह विलेन हैः क्लार्क

नई दिल्ली,09 दिसम्बर 2024। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अंपायरों से एलबीडब्ल्यू आउट होने की अपील किए बिना विकेट का जश्न मनाने की आदत के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए, और उन्होंने आईसीसी द्वारा उन्हें इसके लिए दंडित नहीं किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त किया।सिराज एडिलेड में 140 रन पर आउट होने के बाद ट्रैविस हेड के साथ अपने सेंड-ऑफ विवाद के लिए सुर्खियों में रहे हैं। क्लार्क की टिप्पणी सिराज द्वारा मार्नस लाबुशेन के खिलाफ एलबीडब्ल्यू आउट होने पर अंपायर की ओर देखे बिना सेलिब्रेट करने के उदाहरण की ओर इशारा करती है, लेकिन रीप्ले में गेंद का अंदरूनी किनारा बड़ा दिखाई देता है।सिराज पर लगातार एलबीडब्ल्यू की अपील करने और अंपायर से न पूछने के लिए जुर्माना लगाया जाना चाहिए। वह बल्लेबाज के पैड पर गेंद मारता है और ऐसे भागता है जैसे वह आउट हो। मुझे आश्चर्य है कि आईसीसी ने उस पर जुर्माना नहीं लगाया।

रश्मिका मंदाना की द गर्लफ्रेंड के टीजर में रुमर्ड बॉयफ्रेंड विजय देवर कोंडा ने दी आवाज

रश्मिका मंदाना की फिल्म द गर्लफ्रेंड को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स ने हाल ही में इसका नया पोस्टर रिलीज किया और इसके टीजर की रिलीज डेट बताई है। रश्मिका मंदाना राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह एक कॉलेज जाने वाली लड़की की भूमिका में हैं और इसकी कहानी अनूठी होने की उम्मीद है। इस टीजर में उनके रुमर्ड बायफ्रेंड विजय देवराकोंडा ने आवाज दी है।मेकर्स ने हाल ही में द गर्लफ्रेंड का पोस्टर रिलीज करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया है। बता दें इसका टीजर आज 9 दिसंबर को सुबह 11.07 बजे रिलीज हुआ। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वह एक कॉलेज जाने वाली लड़की की भूमिका में हैं और इसकी कहानी अनूठी होने की उम्मीद है.टीजर की सबसे खास बात यह है कि इसमें रश्मिका के रुमर्ड बायफ्रेंड विजय देवराकोंडा ने आवाज दी है जिसने दर्शकों की एक्साइटमेंट और भी ज्यादा बढ़ा दी है। हेशम म्यूजिक के लिए बोर्ड पर हैं और जीए2 पिक्चर्स, मास मूवी मेकर्स, धीरज मोगिलिनेनी एंटरटेनमेंट द गर्लफ्रेंड के निर्माता हैं। रश्मिका मंदाना पुष्पा 2: द रूल की सफलता का आनंद ले रही हैं और फिल्म में उनके काम की खूब सराहना की जा रही है. रश्मिका ने विजय देवरकोंडा की अगली फिल्म साइन की है और गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद यह उनकी तीसरी फिल्म है। राहुल सांकृत्यायन निर्देशक हैं और मैथरी मूवी मेकर्स निर्माता हैं। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के रिलेशनशिप में होने की अफवाहें सबसे पहले तब शुरू हुई जब दोनों ने गीता गोविंदम (2018) में साथ काम किया। डियर कॉमरेड (2019) के लिए फिर से साथ आने के उनके फैसले ने उनकी डेटिंग की अटकलों को और हवा दे दी। पिछले कुछ सालों में, दोनों को अक्सर छुट्टियों पर एक साथ देखा गया है। इसके बावजूद, रश्मिका और विजय ने हमेशा कहा है कि वे अच्छे दोस्त हैं और इस बात को मानने से इनकार किया कि वे रिलेशनशिप में हैं कि नहीं।

रिवीलिंग आउटफिट पहन भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट पर बरपाया कहर

एक्ट्रेस ने कातिल अदाओं से फैंस के उड़ाए होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना भूमि पेडनेकर हमएशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो फैंस के बीच छा जाती है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।भूमि पेडनेकर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का चमकता हुआ रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं।खुले बाल, कानों में पर्ल इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उन्होंने अपनी हॉटनेस ने फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।भूमि पेडनेकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। ये ही नहीं उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

सोनू सूद की फतेह के टीजर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म फतेह का टीजर आज 9 दिसंबर को रिलीज होने वाला है। इस खबर की पुष्टि एक जबरदस्त पोस्टर के जरिए की गई है, जो फैंस के बीच काफी चर्चा का विषय बन गया है। पोस्टर में सोनू सूद का दमदार और एक्शन से भरपूर अवतार देखने को मिल रहा है, जिसमें वह एक दुश्मन को पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं.वहीं फिल्म 10 जनवरी को रिलीज के लिए तैयार है। फतेह का निर्देशन सोनू सूद ने खुद किया है और यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। फिल्म के प्रोड्यूसर सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल हैं। पोस्टर में दिखाई गई झलक ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है फिल्म के बारे में बात करते हुए दबंग एक्टर ने कहा, फिल्म फतेह सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं है. ये एक ऐसी कहानी है, जो साइबर अपराध के तेजी से बढ़ते मुद्दे पर प्रकाश डालती है। जिसे एक रोमांचक कहानी के जरिए पर्दे पर उतारा गया है। मेरा ये प्रोजेक्ट मेरे दिल के बेहद करीब है. मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस फिल्म से बेहतर तरीके से जुड़ पाएंगे। एक फिल्म निर्माता के रूप में, मेरा उद्देश्य एक ऐसी कहानी पेश करना है, जो आज की दुनिया की कहानी कहती हो।इसमें जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह जैसे कई सितारे नजर आएंगे.फतेह कोविड9 महामारी के दौरान लोगों को प्रभावित करने वाले साइबर अपराध के वास्तविक जीवन के उदाहरणों से प्रेरित है। फिल्म में सिनेमैटोग्राफी, रिसर्च और एक्शन कोरियोग्राफी के लिए प्रसिद्ध हॉलीवुड पेशेवरों सहित एक टीम है।

सभी के लिए मिलेगा पक्का आवास

» मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 7 आवासीय परियोजनाओं का किया शुभारम्भ...

» अटल विहार योजना से जरूरतमंदों को किफायती दर पर आवास होगा उपलब्धः मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

» छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा बनाए जाएंगे 1650 आवास

» ई.डब्ल्यू.एस. भवनों में 80,000 रुपए एवं एल.आई.जी.भवनों में 40,000 रुपए की सब्सिडी राज्य शासन द्वारा मिलेगी...

7 विभिन्न क्षेत्रों में बनेंगे आवास

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सरकार के एक वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा अटल विहार योजना प्रारंभ की जा रही है ताकि जरूरतमंदों को विशेष रूप से शहरी क्षेत्र के लोगों को किफायती दर पर मकान उपलब्ध कराए जा सकें।
मुख्यमंत्री श्री साय ने जिन आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया उनके तहत 07 विभिन्न स्थानों पर भूरकोनी -रायपुर, पथर्रा - राजिम, खरतुली - धमतरी, सिहाद - धमतरी, पुलगांव - दुर्ग, गुरूर - बालोद, एवं कोकड़ापारा - बीजापुर में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के आवास बनाए जाएंगे। लगभग 300 करोड रुपए की लागत की इन परियोजनाओं के तहत 1650 मकान बनाए जाएंगे, इनमें ई.डब्ल्यू.एस. और एल.आई.जी. श्रेणी के 1452 आवास तथा एम.आई.जी. श्रेणी के 200 आवास बनाए जाएंगे। हितग्राही भवनों का ऑनलाईन पंजीयन वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.सीजीएचबी .जीओव्ही .आईएन के माध्यम से घर बैठे कर सकेंगे

रायपुर,09 दिसंबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी के लिए आवास की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अटल विहार योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 7 आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हर शहरी गरीब परिवारों को आवास मिले, इस उद्द्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की गई है। इससे प्रेरणा लेते हुए हमारी राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों एवं विकासखंड में रह रहे आवासहीन अथवा कच्चे भवन के स्थान पर किफायती एवं पक्के छत युक्त आवास उपलब्ध कराने के लिए अटल विहार योजना प्रारंभ की है, जिसके तहत हाउसिंग बोर्ड द्वारा 50,000 भवनों का निर्माण कर आबंटन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल विहार योजना के लिए हाउसिंग बोर्ड को एक रूपये प्रति वर्ग फुट पर शासकीय भूमि उपलब्ध कराई जा रही है इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये है। इस योजना में पूर्व में घोषित अनुदान को जारी रखते हुए ई.डब्ल्यू.एस. भवनों में 80,000 रुपए एवं एल.आई.जी. भवनों में 40,000 रुपए अनुदान राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है।

वित्त तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि अटल विहार योजना के तहत आवासों का निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जाएगा। इस योजना के तहत राजधानी रायपुर के साथ - साथ दूरस्थ बीजापुर जिले में भी मकान बनाए जाएंगे। जल्द ही यह योजना सभी जिलों में शुरू होगी।

हाउसिंग बोर्ड द्वारा नियमित भवनों को फ्री-होल्ड करने की योजना वर्ष 2012 में प्रारंभ की गई। इस योजना में राज्य के लोगों की मांग को प्राथमिकता देते हुए हमारी सरकार द्वारा अभी हाल ही में 26 नवम्बर 2024 को आयोजित कैबिनेट की बैठक में फ्री-होल्ड किये जा रहे भवनों में डायवर्सन शुल्क एवं पेनाल्टी में शत प्रतिशत छूट प्रदान की गई है, इससे हाउसिंग बोर्ड के लगभग 80 हजार हितग्राहियों को राहत मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव श्री बसव राजू एस., आयुक्त छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल श्री कुंदन कुमार सहित छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

13 दिसंबर को छत्तीसगढ़ आएंगे जेपी नड्डा

रायपुर,09 दिसंबर 2024(ए)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 13 दिसंबर को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ रहेंगे। उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य साय सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के दौरे को लेकर प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि भाजपा सरकार सुशासन के तौर पर काम कर रही है। एक साल में ही हमने बहुत काम किया है। आगे और भी करते रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के दौरान 1 साल का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया जाएगा।

1 मार्च से होंगी कक्षा 12वीं बोर्ड की परीक्षाएं

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी की समय सारणी

रायपुर,09 दिसंबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की समय सारणी जारी कर दी है। इसके अनुसार, 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 1 मार्च से शुरू होंगी, जबकि 10वीं कक्षा की परीक्षाएं 3 मार्च से प्रारंभ होंगी। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 9 बजे से 12:15 बजे तक आयोजित की जाएंगी।इसके अलावा, शारीरिक प्रशिक्षण पत्रोपाधि परीक्षा 1 मार्च से 10 मार्च तक चलेगी। सभी परीक्षार्थियों को समय सारणी के अनुसार अपनी तैयारी में जुटने की सलाह दी गई है।

बढ़ी रायपुर पुलिस की मुश्किलें

आईबी अफसर को ही कर लिया गिरफ्तार

रायपुर,09दिसंबर 2024 (ए)। इंडिगो की नागपुर-कोलकाता फ्लाइट में बम होने की सूचना देने वाले शख्स की गिरफ्तारी ने रायपुर पुलिस को बड़ी मुश्किल में डाल दिया है। यह व्यक्ति केंद्रीय गुप्तचर विभाग (आईबी) का अधिकारी निकला, जिसे बिना उचित जांच के गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम अनिमेष मंडल है, जो नागपुर में डिप्टी इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं।14 नवंबर को, जब अनिमेष मंडल फ्लाइट में यात्रा कर रहे थे, उन्हें विमान में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होंने क्रू मेंबर को सूचित किया। क्रू मेंबर ने पायलट को सूचित किया और पायलट ने रायपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई। विमान लैंड होते ही रायपुर पुलिस ने अनिमेष मंडल को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें रिमांड पर जेल भेज दिया। इस दौरान, अनिमेष ने अपना आई कार्ड भी पुलिस को दिखाया था, लेकिन बिना पूरी जांच किए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अब इस मामले ने रायपुर पुलिस की परेशानी बढ़ा दी है, क्योंकि अनिमेष के परिवार ने उनकी आईबी में पोस्टिंग से संबंधित दस्तावेज कोर्ट में पेश किए हैं। वरिष्ठ वकील सैयद फैसल रिजवी का कहना है कि अनिमेष को जल्द बाइज्जत बरी किया जाएगा, और अगर जरूरत पड़ी तो वे हाईकोर्ट जाएंगे।यह मामला और भी जटिल हो गया है क्योंकि रायपुर में इस प्रकार के मामलों की सुनवाई करने का अधिकार नहीं है।

रुक्मणी आश्रम में फूड पॉइजनिंग से हड़कंप

9 बच्चे आईसीयू में भर्ती

बीजापुर,09दिसंबर 2024 (ए)। बीजापुर जिले से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां माता रुक्मणी आश्रम के 27 बच्चे फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए हैं। आश्रम में खाना खाने के बाद बच्चों की तबियत बिगड़ी, जिससे उल्टी, दस्त और अन्य लक्षणों का सामना करना पड़ा। गंभीर स्थिति में 9 बच्चों को आईसीयू में भर्ती किया गया है, जबकि बाकी बच्चों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।बताया जा रहा है कि इस घटना के पीछे आश्रम के अधीक्षक की लापरवाही की वजह से बच्चों की तबियत बिगड़ी है। जानकारी के अनुसार, अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण न करने के कारण इस तरह की स्थिति उत्पन्न हुई है। बच्चों की तबियत बिगड़ने के बाद मामला संज्ञान में आते ही हड़कंप मच गया है।

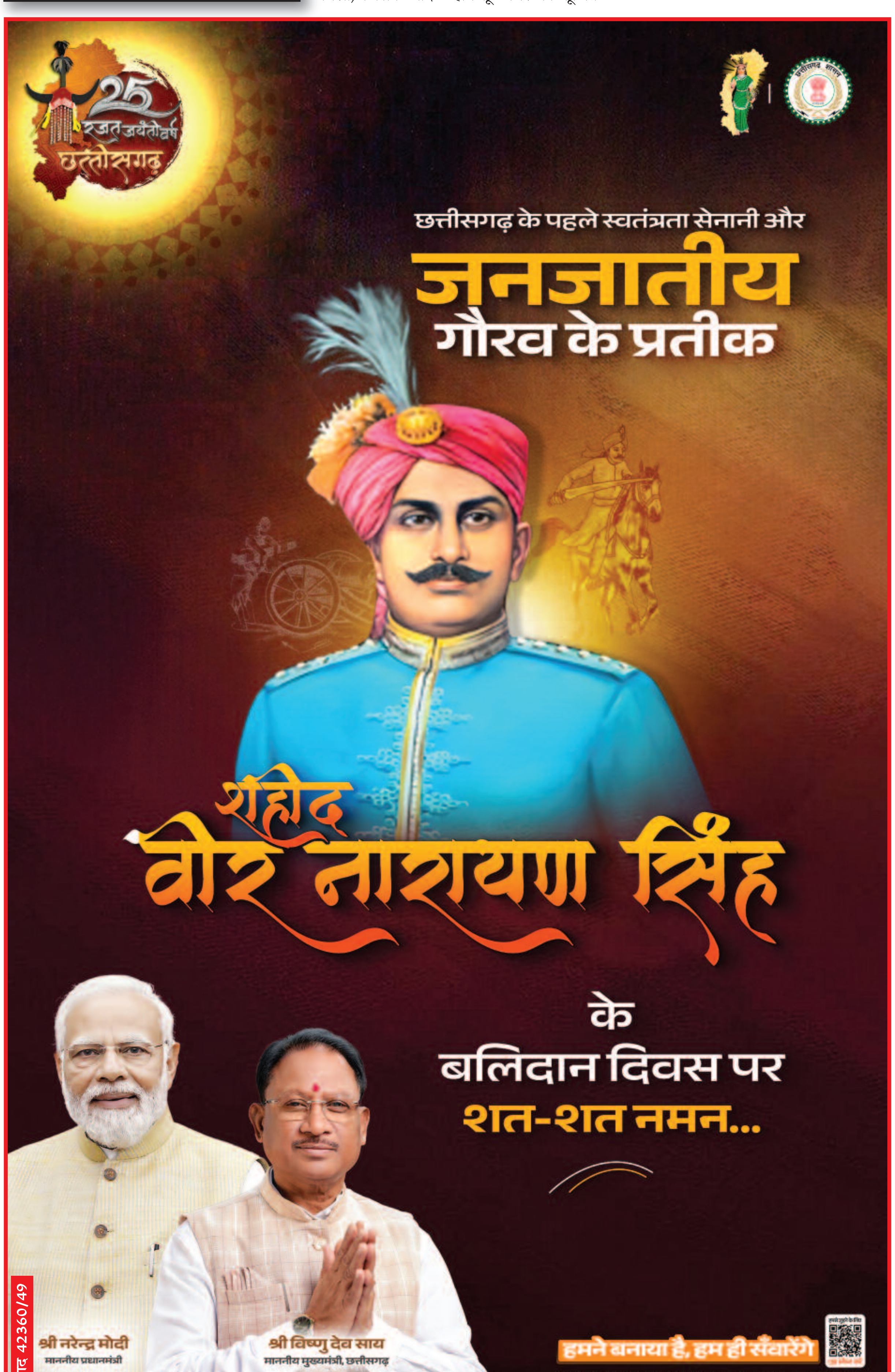

शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार

» सत्र के बाद नगरीय निकाय भंग होने की संभावना...

» शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा...

» विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में सोमवार को आधिकारिक सूचना दी...

» पांच दिनों के सत्र में चार बैठकें होंगी...

» कई विधेयक पेश कर सकती है सरकार...

» नगरीय निकाय की आचार संहिता शीतकालीन सत्र के बाद लगने की संभावना...

» जब तक पूरे राज्य में आरक्षण की प्रक्रिया भी पूर्ण हो चुकी होगी...

रायपुर,09 दिसंबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगी। सोमवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिवालय ने इस संबंध में आधिकारिक जानकारी शेयर की है। इस सम्बन्ध में विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भी अपने ङ्ग एप्लिकेशन पर छत्तीसगढ़ के षष्ठम विधानसभा के शीतकालीन सत्र की जानकारी दी साथ ही उन्होंने 4 बैठकें आयोजित होने की भी जानकारी शेयर की। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी किए गए पत्र में बताया गया है कि शीतकालीन सत्र में वित्तीय कार्य के साथ अन्य शासकीय कार्य सम्पादित किए जाएंगे।

सरकार को घेरने की रणनीति विपक्ष की होगी

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में विपक्ष हंगामा कर सकता है। विपक्ष की सूत्रों के अनुसार उनकी रणनीति सरकार को घेरने की होगी। राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष ज्यादा मुखर है साथ ही विपक्षी दल कांग्रेस सड़कों पर लगातर प्रदर्शन भी कर रहा है। धान खरीदी को लेकर, कवर्धा हिंसा के मामले के अलावा विपक्ष सरकारी नौकरी में भर्ती, धान खरीदी केंद्र, समेत कई मुद्दों पर घेरने की योजना बनाएंगे। इस सम्बन्ध में विधानसभा सत्र को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस अपने विधायकों के साथ बैठक कर योजना तैयार कर विधानसभा में सरकार को कटघरे में खड़ा करने के मूड में भी है।

विधायकों के साथ बैठक में होगा तय

विधानसभा सत्र की घोषणा के बाद से ही सत्ता पक्ष और विपक्ष जल्द ही इस संबंध में अपने विधायकों के साथ बैठक कर रणनीति बनाने को लेकर तैयारी करने लगे हैं। दूसरी ओर विपक्ष के सवालों से बचने के लिए सरकार भी अपनी तैयारी में लग गई है। इस सत्र में राज्य की विष्णुदेव साय सरकार कई अहम विधेयकों को भी सदन में रख सकती है। इस सत्र में वित्तीय कार्य में अनुपूरक बजट से जुड़ा प्रस्ताव आ सकता है।इसके अलावा कई वित्तीय कार्य और शासकीय कार्य को भी संपादित किया जाएगा।

ईडी ने कोर्ट में पेश किया 8021 पन्नों का चालान

» 90 करोड़ से ज्यादा की हुई है फेराफेरी

रायपुर,09दिसंबर 2024 (ए)। डीएमएफ घोटाला मामले में ईडी ने आज कोर्ट में निलंबित आईएएस रानू साहू, माया वारियर समेत 16 आरोपियों के खिलाफ 8 हजार 21 पन्नों का चालान पेश किया, जिसमें 169 पन्नों में प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन है। आईएएस ने 90 करोड़ 48 लाख 22 हजार 255 रुपए के घोटाला का चालान पेश किया है।

क्या है डीएमएफ घोटाला

प्रदेश सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, ईडी की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है. केस में यह तथ्य सामने आया है कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर घोटाला किया गया है। टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया। जांच रिपोर्ट में यह पाया गया है कि टेंडर की राशि का 40 प्रतिशत सरकारी अफसर को कमीशन के रूप में दिया गया है। प्राइवेट कंपनियों के टेंडर पर 15 से 20 प्रतिशत अलग-अलग कमीशन सरकारी अधिकारियों ने ली है। ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट में पाया था कि आईएएस अफसर रानू साहू और कुछ अन्य अधिकारियों ने अपने-अपने पद का गलत इस्तेमाल किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)